राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

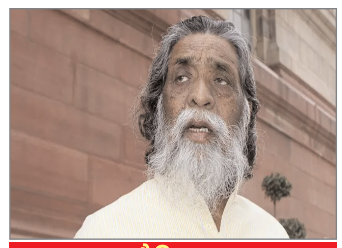

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार , 25 मार्च 2026
वर्ष 14, अंक 333, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

गैस सिलेंडर का संकटः मैसेज आया, लेकिन सिलेंडर नहीं! उपभोक्ता परेशान..03

धेमाजी जिले की तीन चुनावी क्षेत्र के 16 उम्मीदवारो ने किया नामांकन पत्र दाखिल...04

वैश्विक अनिश्चितता के दौर में यूपी बना सबसे सुरक्षित और भरोसेमंद निवेश गंतव्यः सी.एम. योगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- दुनिया के कई हिस्सों में जारी अस्थिरता, आर्थिक अनिश्चितता और अव्यवस्था के बीच भारत और विशेष रूप से उत्तर प्रदेश आज निवेश व व्यापार के लिए एक सुरक्षित, स्थिर और भरोसेमंद वातावरण के रूप में उभरकर सामने आया है। इसी विश्वास को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को 'निवेश मित्र 3.0' सिंगल विंडो सिस्टम के शुभारंभ अवसर पर कहा कि प्रदेश ने बीते 9 वर्षों में पारदर्शी नीतियों, सख्त कानून-व्यवस्था, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्योग-अनुकूल माहौल के जरिए अपनी पहचान को पूरी तरह बदला है। आज उत्तर प्रदेश न केवल निवेशकों के लिए सुरक्षित गंतव्य बना है, बल्कि यहां उन्हें स्केलेबल बिजनेस के लिए अनुकूल इकोसिस्टम, विशाल उपभोक्ता बाजार, कुशल युवा मानव संसाधन और सीमलेस कनेक्टिविटी जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं एक साथ उपलब्ध हो रही हैं। यही कारण है कि जो निवेशक पहले प्रदेश आने से हिचकते थे, आज वही यहां निवेश के लिए आगे आ रहे हैं और उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख औद्योगिक एवं आर्थिक केंद्र के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

50,000 करोड़ निवेश, 50 हजार रोजगार की संभावना

मुख्यमंत्री ने नवरात्रि के दौरान आयोजित कार्यक्रम में 45 कंपनियों को इंसेंटिव वितरण और 62 कंपनियों को लेटर ऑफ कंफर्ट (एलओसी) प्रदान किए जाने को प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि इन प्रस्तावों के माध्यम से लगभग 50,000 करोड़ निवेश का मार्ग प्रशस्त हुआ है, जिससे करीब 50 हजार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने सभी उद्यमियों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार एमओयू के बाद तेजी से ग्राउंडब्रेकिंग, निवेश से जुड़े छोटे-छोटे मुद्दों के त्वरित समाधान और उद्योगों के लिए बेहतर माहौल सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उद्यमियों का विश्वास ही विकास की असली ताकत है और उस पर खरा उतरते हुए उत्तर प्रदेश को निवेश, रोजगार और औद्योगिक प्रगति का अग्रणी केंद्र बनाया जाएगा।

निवेशकों का विश्वास ही प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों का विश्वास ही प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी है और इसी विश्वास को मजबूत करने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उत्तर प्रदेश में मार्केट-रेडी और इंडस्ट्री-रेडी वर्कफोर्स उपलब्ध है, यहां बड़ी संख्या में कुशल और युवा मानव संसाधन मौजूद है। भारत का ही नहीं, दुनिया का सबसे अच्छा डेमोग्राफिक डिविडेंड यूपी के पास है। साथ ही यहां विशाल एवं मजबूत कंज्यूमर बेस भी उपलब्ध है, जो निवेशकों के लिए अत्यंत अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने निवेशकों से आह्वान किया कि वे प्रदेश में खुलकर निवेश करें और अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाएं, क्योंकि यहां स्केलेबल बिजनेस के लिए आवश्यक सभी संभावनाएं और संसाधन उपलब्ध हैं।

निवेश मित्र 3.0 से आसान होगा उद्योग लगाना

मुख्यमंत्री ने बताया कि 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को और मजबूत करते हुए धारा 80 के तहत लैंड यूज की जटिल प्रक्रिया को समाप्त कर दिया गया है। अब मास्टर प्लान के तहत नक्शा पास होते ही लैंड यूज स्वतः स्वीकृत माना जाएगा और अलग से किसी प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं होगी। साथ ही 'निवेश मित्र 3.0' को लॉन्च कर 43 से अधिक विभागों की 530 सेवाओं को सरल बनाकर 200 से कम सेवाओं में समेकित किया गया है। इसमें पैन आधारित सिंगल यूजर आईडी, डायनेमिक सीएएफ, एआई चैटबॉट, रियल-टाइम ट्रैकिंग, ऑटोमेटेड अलर्ट और एंड-टू-एंड ऑनलाइन मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएं दी गई हैं। यह प्लेटफॉर्म एनएसडब्ल्यूएस, आईजीआरएस और जीआईएस लैंड बैंक से एकीकृत होकर निवेशकों को एक सीमलेस, ट्रांसपेरेंट और प्रिडिक्टेबल डिजिटल इकोसिस्टम प्रदान करता है, जिससे निवेश प्रक्रिया पूरी तरह आसान और हस्तक्षेप-मुक्त बन सके।

निजी बिजनेस पार्क नीति और स्किल कनेक्ट से बढ़ेगा निवेश व रोजगार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई गति देने के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण पहलें की हैं। इसी क्रम में कैबिनेट द्वारा निजी बिजनेस पार्क नीति को मंजूरी दी गई है, जिसके तहत अब कोई भी निवेशक बिजनेस पार्क विकसित कर प्लग-एंड-प्ले मॉडल पर उद्योगों को आगे बढ़ा सकेगा। इस मॉडल में सरकारी भूमि उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि निवेशक अपना निवेश करेंगे और रेवेन्यू शेयर व्यवस्था के तहत पारदर्शी तरीके से लाभ का बंटवारा होगा।

टेक्नोलॉजी हब के रूप में यह नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस पूरी प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं होगा, जिससे निवेशकों को सुगम और सुरक्षित माहौल मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के एक बड़े हब के रूप में विकसित करने की दिशा में यह नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके साथ ही इन्वेस्ट यूपी के माध्यम से पीएमयू कौशल कनेक्ट सेल का गठन किया गया है, जो उद्योगों की जरूरत के अनुसार कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराने में मदद करेगा। वहीं, एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेल के जरिए नए उद्यमियों को प्रोत्साहन, मार्गदर्शन और समर्थन दिया जाएगा। इन सभी पहलों का उद्देश्य प्रदेश में निवेश, रोजगार और उद्यमिता को एक साथ बढ़ावा देना है, ताकि उत्तर प्रदेश देश की अग्रणी औद्योगिक अर्थव्यवस्था के रूप में और सशक्त बन सके।

2012-17 के बीच मात्र 16 एलओसी, 9 वर्षों में 3367 जारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश में हुए इंसेंटिव वितरण कार्यक्रम से औद्योगिक विकास को नई गति मिली है। इस दौरान मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल, सीमेंट, बायोप्लास्टिक, आयरन एंड स्टील, फूड प्रोसेसिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स सहित विभिन्न क्षेत्रों की 85 परियोजनाओं को लेटर ऑफ कंफर्ट और एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट के आधार पर कुल 2781 करोड़ 12 लाख रुपये की सब्सिडी वितरित की गई। इसके

तहत आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की 4 परियोजनाओं को 73 करोड़ और फूड प्रोसेसिंग की 10 परियोजनाओं को 20 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन दिया गया। उन्होंने बताया कि जहां 2012 से 2017 के बीच मात्र 16 एलओसी जारी हुए थे, वहीं पिछले 9 वर्षों में 3367 एलओसी जारी किए गए हैं, जो निवेश माहौल में आए बड़े बदलाव को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक उद्योग केवल निवेश नहीं लाता, बल्कि रोजगार और कनेक्टिविटी भी बढ़ाता है। उद्यमियों को सम्मान और सुरक्षा देना जरूरी है, क्योंकि वे अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।

उद्योगों के संचालन में बाधा या अराजकता बर्दाश्त नहीं

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में उद्योगों के संचालन में किसी भी प्रकार की बाधा या अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि कहीं ट्रेड यूनियन या अन्य किसी नाम पर उद्योगों को बाधित करने की कोशिश की जाती है, तो वह स्वयं तत्काल संज्ञान लेते हैं और जरूरत पड़ने पर रात में ही संबंधित डीएम और एसपी को निर्देश देकर ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित कराते हैं, ताकि निवेश और उद्योगों का माहौल प्रभावित न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानपुर की 'लाल इमली' मिल जैसे उदाहरण बताते हैं कि कैसे पहले ट्रेड यूनियनों के भ्रष्टाचार और गलत नीतियों के कारण एक समय का प्रमुख टेक्सटाइल हब बंद होकर खंडहर में बदल गया और हजारों परिवार प्रभावित हुए। पिछली सरकारों ने उद्योगों की संभावनाओं को नकारा, लेकिन वर्तमान सरकार ने अनुकूल माहौल देकर निवेश को बढ़ावा दिया, जिसके कारण जनता का विश्वास लगातार मिल रहा है।

अपराधी ने दुस्साहस किया तो समझो यमराज के पास जाने के लिए अपना टिकट कटाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को औद्योगिक निवेश का प्रमुख गंतव्य बनाने के लिए पिछले 9 वर्षों में व्यापक प्रयास किए गए हैं। उन्होंने 2017 की स्थिति को याद करते हुए कहा कि जब निवेश के लिए उद्यमियों को यूपी आने का आमंत्रण दिया जाता था, तो वे इस पर हंसते थे और कई लोग तो पहले से ही यहां न आने का संकल्प लेने की बात करते थे। उस समय प्रदेश की छवि इतनी खराब थी कि निवेश की बात करना भी असहज लगता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस नकारात्मक धारणा के पीछे दो प्रमुख कारण थे। पहला, पहचान का संकट और दूसरा, माफिया व आपराधिक गिरोहों का प्रभाव, जो हर जिले और थाने में समानांतर सत्ता चलाकर उद्यमियों, व्यापारियों, महिलाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए खतरा बना हुआ था। तब हमने इस माफिया की कमर तोड़ने, इसे पूरी तरह कुचलने का निर्णय किया। हमने तय किया कि हम उत्तर प्रदेश के अंदर अपराध और अपराधी के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत हम कार्य करेंगे। जीरो टॉलरेंस की वह नीति पहले दिन से आज तक अनवरत बनी हुई है। अपराधी कोई भी हो, माफिया कोई भी हो, किसी भी प्रकार का कोई सरपरस्त क्यों न हो, अगर उसने कहीं दुस्साहस किया तो ये मानकर चलिए कि वह अपने उस दुस्साहस के लिए यमराज के पास जाने के लिए अपना टिकट काट रहा है।

उत्तर प्रदेश बना निवेशकों की पहली पसंद

मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 वर्ष पहले उत्तर प्रदेश को देश का शीर्ष निवेश गंतव्य बनाने का जो सपना देखा गया था, वह आज साकार हो रहा है। डबल इंजन सरकार ने पारदर्शी नीतियों, बेहतर कानून-व्यवस्था और उद्योग-अनुकूल माहौल से निवेशकों का विश्वास फिर से स्थापित किया, जिसे पूर्ववर्ती सरकारों में क्षति पहुंची थी। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में 'टीम यूपी' के निरंतर प्रयासों से आज प्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है। नवरात्रि के अवसर पर विभिन्न नीतियों के तहत इंसेंटिव सीधे खातों में देकर रुकी परियोजनाओं को गति दी जा रही है, खासकर फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में, जहां 11% कृषि योग्य भूमि के बावजूद 21% खाद्यान्न उत्पादन के साथ अब वैल्यू एडिशन और रोजगार पर फोकस है।

'जीरो टॉलरेंस' और 'जीरो करप्शन' से निवेश का बदला माहौल

'जीरो टॉलरेंस' और 'जीरो करप्शन' नीति के प्रभाव से निवेश का माहौल पूरी तरह बदला है और अब निवेशक स्वयं यूपी की ओर आकर्षित हो रहे हैं। प्रदेश में 75,000 एकड़ लैंड बैंक, बेहतर सीमलेस कनेक्टिविटी, देश के एक्सप्रेसवे नेटवर्क में 55% हिस्सेदारी (जल्द 60%), 12 घरेलू व 4 अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और जेवर में शुरू होने जा रहे देश के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से निवेश को नई दिशा मिल रही है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का पीएम मोदी करेंगे लोकार्पण

28 मार्च को पीएम मोदी इसका लोकार्पण करेंगे। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश का कार्गो व लॉजिस्टिक का सबसे बड़ा हब बनने वाला, यहां एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल) की सुविधा भी देश में पहली बार देखने को मिलेगी। साथ ही वाराणसी से जुड़े इनलैंड वाटरवे, सात शहरों में मेट्रो सेवा और मजबूत सड़क नेटवर्क के कारण अब निवेश एनसीआर तक सीमित न रहकर बुंदेलखंड, पूर्वांचल, मध्य और पश्चिमी यूपी सहित पूरे प्रदेश में तेजी से फैल रहा है। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक विभाग के मंत्री सुनील कुमार शर्मा, राज्य मंत्री औद्योगिक विकास जसवंत सैनी, प्रदेश के अवस्थापना औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार, अपर मुख्य सचिव खाद्य प्रसंस्करण एवं उद्यान बाबूलाल मीणा, अपर मुख्य सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आलोक कुमार उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज के एक्स-रे विभाग में हंगामा, सुरक्षाकर्मी और मरीजों में हाथापाई

देवरिया। महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज के अस्पताल के हड्डी रोग विभाग के बगल में मंगलवार को रोगियों ने हंगामा शुरू कर दिया। शांत करने पहुंचे सुरक्षाकर्मी से रोगियों व तीमारदारों ने धक्का मुक्की के बाद हाथापाई की। दोपहर में यहां अफरा-तफरी का माहौल रहा। 20 से अधिक रोगियों की एक्सरे जांच नहीं हो सकी। जिससे उनके हाथ मायूसी लगी। उधर हड्डी रोग विभाग में भी उपचार में विलंब होने पर रोगियों ने हंगामा किया। मेडिकल कॉलेज में रोगियों की भीड़ के कारण पूरी व्यवस्था चरमरा जा रही है। मंगलवार को दिन में बड़ी संख्या में रोगी उपचार के लिए पहुंचे। हड्डी रोग विभाग में रोगियों की भीड़ रही। आपरेशन करा कर आए ड्रेसिंग के लिए रोगियों को घंटों इंतजार करना पड़ा। बरामदे में स्ट्रेचर पर रोगियों को लेकर तीमारदार परेशान रहे। उधर एक्सरे विभाग में पूरी गैलरी रोगियों से खचाखच भरी रही। दोपहर में लाइन तोड़ कर कुछ लोग अंदर घुसने का प्रयास किए। ऐसे में सुरक्षाकर्मी ने रोका तो रोगी उनसे उलझ गए। रोगियों ने सुरक्षाकर्मियों के साथ हाथापाई तक की। उसके बाद भी सुरक्षाकर्मी की सख्ती के कारण एक भी रोगी अंदर नहीं जा सके। कक्ष को बाहर से सुरक्षाकर्मी ने बंद कर दिया। कहा बारी-बारी से लाइन से ही रोगियों को अंदर जाने दिया जाएगा। इसके लिए चाहे कुछ भी हो जाए। हड्डी रोग विभाग में भी दोपहर में रोगियों को लगा कि अब ओपीडी का समय समाप्त हो रहा है और हमें उपचार नहीं मिल पाएगा तो उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें शांत कराया। सीएमएस डॉ. एचके मिश्र ने कहा कि रोगियों की भीड़ इन दिनों मेडिकल कॉलेज में बढ़ी है। रोगियों को उपचार के दौरान थोड़ा धैर्य बरतना चाहिए। सभी डॉक्टर समय से अपने कक्ष में बैठ रहे हैं और रोगियों का उपचार भी कर रहे हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

कानपुर में ट्रेन के टैंकर से तेल चोरी, गिरोह का राजफाश, दो गिरफ्तार

कल्याणपुर (कानपुर)। रेलवे के टैंकर पर हाथ साफ करने वाले शातिर गिरोह के खिलाफ आरपीएफ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। आरपीएफ की सीआईबी ग्वालियर और कानपुर की संयुक्त टीम ने भीमसेन आरपीएफ पोस्ट क्षेत्र में छापेमारी कर ट्रेन के टैंकरों से डीजल और पेट्रोल चोरी करने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से भारी मात्रा में चोरी का तेल बरामद हुआ है। सचेंडी के भीमसेन इलाके में बीते चार जनवरी को ट्रेन से तेल चोरी की गई थीं। मुकदमा दर्ज कर इसकी जांच की जा रही थी। वहीं मंगलवार को आरपीएफ की सीआईबी ग्वालियर और सीआईबी कानपुर ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मुखबिर की सटीक सूचना पर दो चोरों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान सचेंडी निवासी सागर गौतम और शिवम गौतम के रूप में हुई है।

पुलिसिया पूछताछ में दोनों ने लंबे समय से ट्रेनों से तेल चोरी की बात स्वीकार की है। यही नहीं आरोपितों ने गिरोह में शामिल चार अन्य साथियों के नाम भी बताए हैं। आरोपितों के कब्जे से 15 कट्टी (कैन) डीजल और पेट्रोल बरामद किया है।बरामद तेल की अनुमानित कीमत करीब 34 हजार रुपए बताई जा रही है। दोनों आरोपितों को जेल भेजा गया है।बाकी आरोपितों की तलाश में टीम लगाई गई है। दावा है कि जल्द उनकी भी गिरफ्तारी की जाएगी।

पश्चिम बंगाल छोड़कर अन्य राज्यों में नहीं हुई ज्यादा मुकदमेबाजी...

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने टिप्पणी की कि पश्चिम बंगाल को छोड़कर, अन्य सभी राज्यों में एसआईआर (SIR) का कार्यान्वयन सुचारू रूप से हुआ है. अन्य राज्यों से एसआईआर को लेकर ज्यादा मुकदमेबाजी नहीं हुई है. पश्चिम बंगाल स्ढ्ढक्र से जुड़े मामले में सुनवाई के दौरान CJI सूर्यकांत ने यह टिप्पणी की. वहीं, राज्य के वकीलों का कहना है कि 'तार्किक विसंगति' केवल पश्चिम बंगाल में लागू की गई है. वहीं, सुप्रीम कोर्ट में पश्चिम बंगाल SIR मामले पर स्ट में सुनवाई 1 अप्रैल तक के लिए टल गई है. सुनवाई के दौरान CJI सूर्यकांत ने कहा कि पश्चिम बंगाल में SIR प्रक्रिया अभी भी अधूरी है. साथ ही CJI ने एक न्यूज रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि अन्य राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक दलों के सत्ता में होने के बावजूद यह प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हुई है।

पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान

पश्चिम बंगाल में 294 सदस्यों वाली विधानसभा के लिए 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होनी है और 4 मई को गिनती होगी. सुनवाई के दौरान, सीनियर वकील और टीएम,सी नेता मेनका गुरुस्वामी ने कोर्ट से पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट को फ्रीज करने की तारीख बढ़ाने पर विचार करने का आग्रह किया, ताकि लिस्ट से नाम हटाने पर आपत्ति जताने वाले लोगों के नाम पर फैसला किया जा सके और उन्हें जोड़ा जा सके. इसके जवाब में कोर्ट ने साफ किया कि वह रिक्वेस्ट पर विचार करेगा. कोर्ट ने कहा, अगर जरूरत हुई तो हम सोचेंगे. अभी सब ठीक चल रहा है।

बाकी राज्यों में SIR की प्रक्रिया पूरी

साथ ही, बेंच ने बताया कि SIR की वजह से ज्यादातर दूसरे राज्यों में इतने ज्यादा केस नहीं हुए हैं. CJI ने कहा, पश्चिम बंगाल को छोड़कर, जिन भी राज्यों में SIR किया गया, हर जगह यह आसानी से हुआ. दूसरे राज्यों में भी, मुश्किलें हैं, अगर उतनी नहीं तो, लेकिन मुश्किलें हैं. लेकिन कुल मिलाकर, दूसरे राज्यों से शायद ही कोई केस आया हो. सुप्रीम कोर्ट ने पहले पश्चिम बंगाल की स्थिति की खासियत को देखते हुए निर्देश जारी किए थे. 28 फरवरी को पब्लिश हुए पोस्ट-SIR इलेक्टोरल रोल में करीब 60 लाख नाम अंडर एडजुडिकेशन के तौर पर मार्क किए गए थे. इलेक्शन कमीशन के मुताबिक, सप्लीमेंट्री लिस्ट में करीब 29 लाख वोटर्स के नाम हैं जिनके केस ज्यूडिशियल ऑफिसर्स ने एडजुडिकेट किए हैं।

बिहार में तालाब, सड़क व शौचालय निर्माण की होगी जांच; मनरेगा सोशल ऑडिट के लिए 9.47 करोड़ मंजूर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। ग्राम पंचायतों में कराए गए विकास कार्यों की सोशल ऑडिट के लिए ग्रामीण विकास विभाग द्वारा नौ करोड़ 47 लाख 84 हजार 111 रुपये को अंतिम स्वीकृति दी गई है। इसके बाद अब ग्राम पंचायतों में कराए गए कार्यों की निष्पक्ष और पारदर्शी सोशल ऑडिट में सहायता मिलेगी। ये काम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना (मनरेगा) के अंतर्गत हुए हैं।

सोशल ऑडिट से भ्रष्टाचार नियंत्रण

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार का कहना है कि सोशल ऑडिट से भ्रष्टाचार पर नियंत्रण होगा और विकास कार्यों का लाभ सीधे जरूरतमंदों तक पहुंचाया जाना संभव होगा। मनरेगा के अंतर्गत मुख्य रूप से जल संरक्षण, कृषि विकास, ग्रामीण बुनियादी ढांचा और स्वच्छता से संबंधित कार्यों के साथ तालाब व कुओं का निर्माण, चेक डैम, पौधारोपण, ग्रामीण सड़कें, आंगनबाड़ी भवन, स्कूल में शौचालय और खेल मैदान आदि का निर्माण-जीर्णोद्धार आदि से संबंधित कार्य सम्मिलित हैं। इस

योजना के अंतर्गत प्रत्येक इच्छुक व्यस्क सदस्य को मांगने पर एक वित्तीय वर्ष में 100 दिनों की अकुशल मजदूरी देने का भी प्रावधान है।

आडिट के लिए जिलावार सामाजिक अंकेक्षण सोसायटी का गठन

बहरहाल ग्राम पंचायतों में लागू उपरोक्त लोक कल्याणकारी योजनाओं की निष्पक्ष और पारदर्शी आडिट के लिए जिलावार सामाजिक अंकेक्षण सोसायटी का गठन किया गया है। सोसायटी के संचालन और सोशल आडिट के क्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से 10 करोड़ 12 लाख 41 हजार 500 रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई थी।

लैंड फॉर जॉब केसः लालू प्रसाद यादव को झटका, दिल्ली हाईकोर्ट ने FIR रद्द करने से किया इनकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लैंड फॉर जॉब से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को दिल्ली हाई कोर्ट से झटका लगा है. दिल्ली हाईकोर्ट ने लालू प्रसाद यादव की उस मांग को खारिज कर दिया है, जिसमें लालू प्रसाद यादव ने दर्ज FIR रद्द करने की मांग की गई थी. जस्टिस रविंदर डुडेजा ने कहा याचिका में कोई दम नही है. दाखिल याचिका में कहा गया था कि सीबीआई ने यह केस बिना जरूरी सेंशन के दर्ज किया गया, जो कानूनी रूप से अवैध है. मामले की सुनवाई के दौरान लालू प्रसाद यादव की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि जांच एजेंसी CBI ने 18 मई 2022 को FIR दर्ज की, जबकि उस समय लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री के रूप में अपने आधिकारिक कर्तव्यों का पालन कर रहे थे।

खास बात यह है कि हाई कोर्ट ने पहले मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था. उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा था।

कोर्ट ने FIR रद्द करने की मांग किया खारिज

यादव का मामला यह था कि CBI FIR

दर्ज करने से पहले उनके खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट (PC एक्ट) की धारा 17- A के तहत जरूरी प्रॉसिक्यूशन मंजूरी लेने में नाकाम रही थी. यह प्रोविजन सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने से पहले सरकार से मंजूरी लेना जरूरी बनाता है, जब ऐसे अपराध सरकारी सिफारिशों या उनके काम के दौरान लिए गए फैसलों से जुड़े हों. यह प्रोविजन प्रिवेंशन ऑफ करप्शन (अमेंडमेंट) एक्ट, 2018 के ज़रिए PC एक्ट में डाला गया था. यह भी बताया गया कि कथित अपराध 2004-2009 के दौरान किए गए थे, लेकिन FIR लगभग 14 साल की देरी के बाद 2022 में ही दर्ज की गई थी।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कही ये बात

जस्टिस डुडेजा ने आज फैसला सुनाया कि सेक्शन 17 प्रोस्पेक्टिव नेचर का है और चूंकि यह मामला 2004 से 2009 के बीच किए गए अपराधों से जुड़ा है, इसलिए यह मौजूदा मामले पर लागू नहीं होता है. कोर्ट ने कहा, इस प्रोविजन के तहत पहले से मंजूरी न मिलने से स्पेशल जज द्वारा पास किए गए शुरुआती जांच, FIR का रजिस्ट्रेशन, जांच या कॉग्निजेंस ऑर्डर पर कोई असर नहीं पड़ता है. पिटीशन में कोई दम नहीं होने के कारण इसे खारिज किया जाता है।

जानें क्या है मामला

यह मामला CBI के उन आरोपों से जुड़ा है जिनमें कहा गया है कि 2004 से 2009 के बीच केंद्रीय रेल मंत्री के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान, लालू प्रसाद यादव ने रेलवे में ग्रुप D पदों पर नियुक्तियां करवाई, बदले में जमीन के टुकड़े अपने परिवार को मामूली कीमतों पर ट्रांसफर किए. एजेंसी के मुताबिक, कई नौकरी ढूंढने वालों या उनके रिश्तेदारों ने कथित तौर पर पटना और दूसरी जगहों पर यादव के परिवार के सदस्यों और उनसे जुड़ी संस्थाओं को बिना किसी पब्लिक भर्ती प्रक्रिया के, एक लेन-देन के तहत जमीन बेची या गिफ्ट की. यादव परिवार ने इन आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि ये राजनीति से प्रेरित हैं।

पंजाबी बाग में पुलिस सब-इंस्पेक्टर की तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, सफाई कर रही महिला की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम दिल्ली। मंगलवार को पंजाबी बाग पुलिस स्टेशन के इलाके में एक दुखद सड़क दुर्घटना की खबर मिली। यह घटना सड़क निर्माण कार्य के दौरान हुई, जब एक तेज रफ्तार मारुति ब्रेजा कार ने सफाई का काम कर रही एक महिला मजदूर को जरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोपी ड्राइवर दिल्ली पुलिस में सब-इंस्पेक्टर (SI) है, जिसकी अभी रंजीत नगर पुलिस स्टेशन में पोस्टिंग है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी SI, लकी को गिरफ्तार कर लिया है और दुर्घटना में शामिल ब्रेजा कार को जब्त कर लिया है।

सेंट्रल वर्ज के पास हुई टक्कर

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, वशिष्ठ कुमार गुल्ला मार्ग और नॉर्थ एवेन्यू रोड के पास सड़क निर्माण का काम चल रहा था। इसी दौरान 45 वर्षीय महिला मजदूर धर्मवती, जो सेंट्रल वर्ज के पास सफाई कर रही थीं, एक बेकाबू मारुति ब्रेजा की चपेट में आ गईं। टक्कर इतनी भीषण थी कि धर्मवती को गंभीर चोटें आईं। घायल महिला को तुरंत पास के मोतीनगर स्थित आचार्य भिक्षु अस्पताल ले जाया गया। जहां, इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

स्त्री शिक्षा, सुरक्षा पर गंभीर विमर्श की आवश्यकता

किसी भी लोकतांत्रिक समाज की प्रगति का आकलन उसकी आधी आबादी अर्थात स्त्रियों की स्थिति से किया जाता है। यह तथ्य आज केवल विचार नहीं बल्कि वैश्विक विकास सूचकांकों का आधार बन चुका है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में स्त्री की स्थिति एक ओर उल्लेखनीय प्रगति का संकेत देती है तो दूसरी ओर गंभीर चुनौतियों की ओर भी ध्यान आकृष्ट करती है। स्त्री शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का आधार स्तंभ होती है, बीते कुछ दशकों में भारत में स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सुधार देखने को मिला है, बालिका नामांकन दर में वृद्धि, माध्यमिक शिक्षा में लैंगिक अंतर में कमी और उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी ने सामाजिक संरचना को नया स्वरूप दिया है। विशेष रूप से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा और प्रशासनिक सेवाओं में महिलाओं की उपस्थिति यह दर्शाती है कि शिक्षा स्त्री सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम बन रही है, किंतु यह भी यथार्थ है कि ग्रामीण, आदिवासी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों में बालिकाओं की शिक्षा अब भी सामाजिक दबाव, घरेलू श्रम और बाल विवाह जैसी समस्याओं से प्रभावित है। वर्तमान सामाजिक परिदृश्य में स्त्री की स्थिति आधुनिक भारत की स्त्री आज शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में पहले की तुलना में अधिक सक्रिय भूमिका निभा रही है, पंचायत से लेकर संसद तक उसकी भागीदारी बढ़ी है और प्रशासनिक सेवाओं में महिलाओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है, इसके बावजूद घरेलू स्तर पर निर्णय लेने की स्वतंत्रता, समान वेतन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे अब भी पूर्ण समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं, यह स्थिति इस तथ्य को रेखांकित करती है कि कानूनी अधिकार और सामाजिक स्वीकृति के बीच अभी भी एक स्पष्ट अंतर विद्यमान है। स्त्रियों के विरुद्ध अपराध चिंता का विषय है हाल के वर्षों में महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के स्वरूप में भी बदलाव आया है, पारंपरिक अपराधों के साथ-साथ साइबर अपराध,ऑनलाइन उत्पीड़न और डिजिटल माध्यमों के दुरुपयोग से जुड़ी घटनाएँ तेजी से बढ़ी हैं, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, दहेज से संबंधित मामले और सार्वजनिक स्थलों पर असुरक्षा की घटनाएँ यह संकेत देती हैं कि शहरीकरण और तकनीकी प्रगति के बावजूद सामाजिक मानसिकता में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया है, यह स्थिति न केवल कानून व्यवस्था बल्कि सामाजिक चेतना के स्तर पर भी गंभीर आत्ममंथन की मांग करती है। कानूनी प्रावधान और प्रशासनिक दायित्व पर एक दृष्टि डालें तो भारत में महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों के संरक्षण के लिए सुदृढ़ कानूनी ढांचा उपलब्ध है, जिसमें घरेलू हिंसा निषेध अधिनियम, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संरक्षण कानून, दहेज निषेध अधिनियम तथा हाल के आपराधिक कानून संशोधन शामिल हैं, किंतु प्रशासनिक दृष्टि से चुनौती इन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, त्वरित न्याय और पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण की है, पुलिस, न्यायपालिका और स्थानीय प्रशासन के समन्वय के बिना केवल कानूनों का अस्तित्व पर्याप्त नहीं सिद्ध हो सकता। आर्थिक सहभागिता और विकास की अनिवार्यता – स्त्रियों की आर्थिक भागीदारी को राष्ट्रीय विकास की अनिवार्य शर्त के रूप में स्वीकार किया जा चुका है, स्वयं सहायता समूहों, सूक्ष्म वित्त योजनाओं, ग्रामीण उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति ने महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्रदान किए हैं, फिर भी श्रम बाजार में महिलाओं की भागीदारी अपेक्षाकृत कम बनी हुई है, जिसका कारण सामाजिक जिम्मेदारियों का असमान बोझ, कार्यस्थल पर सुरक्षा की कमी और अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार की अधिकता है। मीडिया और सामाजिक दृष्टिकोण में मीडिया स्त्री की छवि निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, सकारात्मक उदाहरणों के साथ-साथ यह भी आवश्यक है कि स्त्री को संवेदनशीलता के साथ सम्मानजनक और संतुलित रूप में प्रस्तुत किया जाए, जिससे समाज में समानता और गरिमा का संदेश सुदृढ़ हो सके। भविष्य की दिशा और नीतिगत अपेक्षाएँ देखीं जाएं तो स्त्री की स्थिति में वास्तविक सुधार के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार को समग्र दृष्टिकोण से जोड़ना होगा, साथ ही सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन के लिए पुरुषों और बालकों को भी लैंगिक समानता के मूल्यों से जोड़ना अनिवार्य होगा, यह केवल महिला केंद्रित योजनाओं से नहीं बल्कि सामाजिक सहभागिता और प्रशासनिक संवेदनशीलता से संभव है।

स्त्री की स्थिति किसी एक वर्ग या समुदाय का विषय नहीं बल्कि राष्ट्र की सामाजिक परिपक्वता और लोकतांत्रिक गुणवत्ता का दर्पण है, जब तक स्त्रियाँ भयमुक्त वातावरण में शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में समान अवसर प्राप्त नहीं करेंगी तब तक समावेशी विकास का लक्ष्य अधूरा रहेगा, इसलिए स्त्री सशक्तिकरण को नीतिगत प्राथमिकता के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में भी स्वीकार किया जाना समय की आवश्यकता है।

संजीव ठाकुर

धार्मिक स्थलों को क्यों नही मिलती बंदरों से मुक्ति

धार्मिक स्थलों को बंदरों से क्यों नही मिलती मुक्ति। सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह है कि इन स्थानों पर आने वाले श्रद्धालु कब तक इनके आतंक झेलते रहेंगे? कब तक इनका शिकार होते रहेंगे? हाल में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु अपने कार्यकाल में 19 मार्च को वृंदावन आईं। वे दूसरी बार यहां आई है। इससे पहले इसी पद पर रहते हुए प्रणव मुखर्जी व रामनाथ कोविंद भी अपने कार्यकाल में दो बार वृंदावन आए थे। लेकिन, राष्ट्रपति मुर्मु वृंदावन के तीन दिवसीय प्रवास पर आने वाली पहली राष्ट्रपति हैं। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्रप्रसाद, ज्ञानी जैल सिंह एक बार वृंदावन आए। उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए डॉक्टर शंकरदयाल शर्मा, आर वेंकटरामन, डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन भी वृंदावन अपनी धार्मिक यात्रा पर आ चुके हैं।

निवर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की दो बार वृंदावन आए। आश्रय सदन में वृद्ध विधवा माताओं से मुलाकात करने आए थे। राष्ट्रपति पद पर रहते प्रणव मुखर्जी पहली बार 16 नवंबर 2014 को अक्षयपात्र में चंद्रोदय मंदिर के भूमि पूजन में आए तो दूसरी बार 18 नवंबर 2015 को चैतन्य महाप्रभु के वृंदावन आगमनोत्सव के पांच सौ वे वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में आए थे। राष्ट्रपति पद पर रहते ज्ञानी जैल सिंह 1987 में वृंदावन आए और रंगजी मंदिर में दर्शन करने पहुंचे थे 1957 में देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्रप्रसाद वृंदावन आए। उप राष्ट्रपति पद पर रहते 1985 में आर वेंकटरामन, 1993 में डॉ. शंकरदयाल शर्मा, 1959 में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन वृंदावन आ चुके हैं। राष्ट्रपति या कोई वीवीआईपी जब भी वृंदावन आता है। प्रत्येक बार उनकी सुरक्षा तो होती ही है। सबसे बड़ा काम होता है वीवीआईपी को यहां के झपटमार बंदर से बचाना। ये बंदर झपटमार कर श्रद्धालु का चश्मा उतारते और किसी ऊंची जगह पेड़ या दीवार पर जाकर बैठ जाते हैं। ये चश्मा तभी लौटाते हैं जब उन्हें खाने के लिए फ्रूटी, केला या दूसरे खाने के सामान दिए जाएं। वीवीआईपी दौरे को देखते हुए प्रशासन लंगूरों के जगह-जगह कट आउट लगवाता है। माना जाता है कि लंगूर से बंदर डरते हैं।उन्हें डराने के लिए ऐसा किया जाता है। कुछ जगह लंगूर भी लाकर बांध दिए जाते हैं। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु की सुरक्षा से लेकर रूट पर व्यवस्थाओं को दुरस्त करने के लिए जिला प्रशासन ने रात दिन एक कर दिया। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के दौरे को देखते एक प्रशासन ने लंगूरों के जगह- जगह कट आउट लगवाए।

लेखक को चित्रकूट में हनुमान गढ़ी जाने का अवसर मिला। वहां रास्ते में बंदर और लंगूर मिलते और आपके कपड़े और बैग पकड़कर रोक लेते हैं। वे आपके बैग और जेब से खाने का सामान प्रसाद आदि निकालकर ही आपको आगे जाने देते हैं। शुक्रताल में तो हनुमान धाम में बंदरों को भगाने के लिए लंगूर बांधा हुआ था। बंदर उसके अभयस्त हो गए थे। उन्हें पता था कि रस्सी में बंधे लंगूर की पंहुच कहां तक है। बंदर आते और लंगूर की पंहुच की दूरी से अगल रहकर लौट जाते।

प्रश्न है कि वीवीआइपी के आने पर ही क्यों बंदरों को रोकने की व्यवस्था होती है। देश के आम आदमी को भी वीवीआईपी क्यों नही समझा जाता। उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी तो सरकार की है। उसके लिए क्यों नही ऐसी व्यवस्थाएं होतीं। बंदर हम हिंदुओं की श्रद्धा है। हम उसे पवित्र मानते हैं। पूजनीय मानते हैं। इतना होने पर भी उसके भोजन की व्यवस्था क्यों नही करते। अयोध्या में बड़ी तादाद में बंदर है। हनुमान गढ़ी पर मैंने बंदरों को फूलों की माला तोड़कर उसमें भोजन के अंश तलाशते देखा है। इसी शहर में डस्टबिन से भोजन खोजते बंदर मुझे मिले हैं। हमारी समाज सेवी संस्थाए क्यों नही इनके भोजन की जरूरत पूरी करती। बंदरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बढती बंदरों की जनसंख्या को भोजन चाहिए। भोजन न मिलने वह निरीह प्राणी अपना पेट भरने के लिए कुछ तो करेगा। बंदरों के आतंक के कारण कई शहरों में तो महिलाओं और बच्चों का छतों पर जाना कठिन हो गया है। शहरों की नही अब तो जंगल में भी इनकी बढ़ती आबादी किसानों के लिए संकट बन चुकी है। भोजन के अभाव में बंदर खेतों की फसल तोड़कर खा रहे हैं। गेंहू की बाली खा जाते है। बोए हुए गन्ने के बीज जमीन से निकाल कर वे अपनी उदरपूर्ति कर रहे हैं। किसान फसल की रक्षा को लेकर परेशान हैं।अब तो किसानों ने खेतों की रक्षा के लिए नौकर रखने शुरू कर दिए हैं। आज बंदरों का आंतक धार्मिक स्थलों के साथ अन्य स्थानों पर भी बढ़ता जा रहा है। शहरी आबादी के साथ किसान भी परेशान है। आज जरूरी हो गया है कि सरकार द्वारा बंदरों की आबादी कम करने के लिए अभियान चलाया जाए। बंदरों के ग्रुप लीडर की नसबंदी कराकर उनकी आबादी नियंत्रित की जाए। जनता के शोर मचाने पर बंदरों का पकड़कर जंगलों में छोड़ा जाना कोई स्थायी निदान नही है। ये जंगल और वनों से लौटकर फिर आबादी की ओर आ जाते हैं। बढ़ती बंदरों की आबादी को भोजन चाहिए। भोजन न मिलने पर उन्हें भी पेट भरना है। जैसे आदमी अपनी भोजन की जरूरत पूरी करने के लिए दूसरे साधन ढूंढ़ता है। वैसे ही आज बंदर कर रहे हैं। तीर्थ स्थलों पर चश्मा छीन रहे हैं तो कुछ जगह श्रद्धालुओं को पकड़कर उनके बैग से भोजन ले रहे हैं। गांव और शहरों में भोजन के लिए कपड़े उठाकर ले जाना आम बात है। ये उठाए गए कपड़े तब छोड़ते हैं, जब उन्हें खाने की सामग्री मिल जाए।

अशोक मधुप

अनुपम अद्वितीय विलक्षण नेतृत्व क्षमता के धनी हैं नरेंद्र मोदी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तपस्थली से तप कर निकले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की राजनीति में सबसे कुशल अपराजेय नेतृत्वकर्ता हैं वह अपने विरोधियों यहां तक की अपनी पार्टी और सहयोगी दलों के प्रतिस्पर्धियों की तमाम चालों की काट कर अपनी नेतृत्व क्षमता के बूते पर अपरिमित दक्षता भी रखते हैं इस मामले में उनका कोई सानी नहीं है यह हम नही रिकार्ड बयान कर रहे हैं। तमाम आलोचनाओं और विरोधियों के जबरदस्त साजिशी प्रहार के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ऐसी शख्सियत बन कर उभरे है जो धरातल पर अपनी अद्वितीय नेतृत्व क्षमता के बूते पर अपना अलग अनूठा व्यक्तित्व रखते हैं उन्होंने किसी भी राजनीतिक नेता के सरकार के लम्बे समय तक नेतृत्व करने के रिकार्ड को तोड़ दिया है। भारत की राजनीति में एक नया इतिहास रचते हुए पीएम नरेंद्र मोदी अब देश के सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग को पीछे छोड़ दिया है। गुजरात के मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री तक उनका सफर लगातार जीत, मजबूत नेतृत्व और राजनीतिक स्थिरता की मिसाल बनकर उभरा है। भारतीय राजनीति में बीता रविवार 22 मार्च विशेष दिन बन गया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ऐसा रिकॉर्ड तोड़ा जो दशकों से किसी और के नाम था. सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग ने लगातार 8,930 दिनों तक किसी सरकार का नेतृत्व किया था. यह भारत में किसी भी सरकार के मुखिया का अब तक का सबसे लंबा कार्यकाल था.

बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी ने 7 अक्तूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। वह लंबे समय तक इस पद पर बने रहे और अपने कार्यकाल में कभी चुनाव नहीं हारे। साल 2014 में प्रधानमंत्री पद के लिए नाम सामने आने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। गुजरात के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने 2014 में लोकसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर प्रधानमंत्री पद संभाला। इसके बाद 2019 और 2024 में भी उन्होंने लगातार जीत दर्ज की। खास बात यह है कि अपने पूरे राजनीतिक करियर में उन्होंने अब तक कोई बड़ा चुनाव नहीं हारा है।

गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर. 2001 से 2014 तक करीब 13 साल तक वो गुजरात की सत्ता संभालते रहे. इस दौरान गुजरात के विकास मॉडल की चर्चा पूरे देश में होती थी। 2014 में जब वो पहली बार देश के प्रधानमंत्री बने. तब से इस रिपोर्ट को लिखने तक लगातार. इन दोनों कार्यकालों को जोड़ने पर यह आंकड़ा 8,931 दिन बनता है.

सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग अब पद पर 8930 दिनों के साथ दूसरे स्थान पर है. चामलिंग ने सिक्किम की लगातार 24 साल और 165 दिनों तक सेवा की. इससे वे ना सिर्फ भारत में बल्कि विश्व स्तर पर सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्रियों में से एक बन गए.

इसी कड़ी में तीसरा स्थान ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के पास है. उन्होंने 2000 से 2024 तक राज्य पर शासन किया. उन्होंने लगभग 24 साल और 99 दिनों का कार्यकाल पूरा किया. पटनायक के लंबे शासन की पहचान राजनीतिक स्थिरता और लगातार चुनावी जीत रही है. इसने उन्हें भारत के सबसे लंबे समय तक टिके रहने वाले नेताओं में से एक बनाए रखा. आपको बता दें इस रैंकिंग को जो बात खास रूप से दिलचस्प बनाती है वह यह है कि इसमें मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री दोनों के रूप में बिताए गए समय को जोड़ा गया है. जिन नेताओं ने सिर्फ प्रधानमंत्री के रूप में सेवा दीं जैसे कि जवाहरलाल नेहरू, वे इस खास गणना के तहत शीर्ष तीन में शामिल नहीं हैं. भले ही उनका कार्यकाल लंबा रहा हो. यह भी बता दें कि वरिष्ठ नेता ज्योति बसु ने 23 सालों से ज्यादा समय तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में काम किया है. वे इस लिस्ट से बाहर हैं. लेकिन उनका कार्यकाल भारतीय इतिहास में किसी एक पद पर सबसे लंबे समय तक नेतृत्व करने वाले कार्यकालों में से एक है

प्रधानमंत्री मोदी का यह रिकॉर्ड अकेला नहीं है. प्रधानमंत्री मोदी के नाम और भी कई उपलब्धियां हैं. गुजरात के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री किसी और मुख्यमंत्री ने गुजरात में इतना लंबा कार्यकाल नहीं किया.

आपको पता है कि किसी भी प्रधानमंत्री की तुलना में मोदी सबसे ज्यादा अनुभव लेकर दिल्ली पहुंचे थे. आजादी के बाद पैदा हुए पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म 1950 में हुआ. वो पहले प्रधानमंत्री हैं जो आजाद भारत में पैदा हुए. तीन बार लगातार जीत - 2014, 2019 और 2024 तीनों लोकसभा चुनावों में जनता ने उन्हें चुना.

2019 में भाजपा ने 303 सीटें जीतकर अपनी स्थिति और मजबूत की। 2024 में 240 सीटों के साथ एनडीए गठबंधन ने सत्ता बरकरार रखी। जवाहरलाल नेहरू के बाद प्रधानमंत्री मोदी लगातार तीन कार्यकाल के लिए नियुक्त होने वाले एकमात्र प्रधानमंत्री हैं। लगातार भारत का प्रधानमंत्री पद पर बने रहने का दिवंगत इंदिरा गांधी का रिकॉर्ड मोदी ने तोड़ उन्होंने पिछले साल इंदिरा गांधी (4,077 दिन) को लगातार प्रधानमंत्री रहने के मामले में पीछे छोड़ दिया है। सितंबर 2025 में अपने तीसरे कार्यालय के दौरान वे लगातार सबसे लंबे समय तक पीएम रहने वाले भारत के दूसरे प्रधानमंत्री बन गए। साथ ही वे पहले गैर-कांग्रेसी नेता हैं जिन्होंने लगातार दो पूर्ण कार्यकाल पूरे किए हैं। इसी सिलसिले में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी है. उन्होंने लिखा, 'नरेंद्र मोदी का पूरा जीवन देश और देशवासियों की सेवा को समर्पित रहा है. गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक यह यात्रा सेवा, ईमानदारी और देश को सबसे पहले रखने की यात्रा है.

एक रिपोर्ट के के मुताबिक पीएम मोदी ने अपने सफर को याद करते हुए बताया कि जब उन्होंने 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में काम शुरू किया, तब राज्य कई बड़ी मुश्किलों से गुजर रहा था। गुजरात भूकंप, चक्रवात, सूखा और राजनीतिक अस्थिरता जैसी समस्याओं से जूझ रहा था। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों ने उन्हें और मजबूत बनाया और उन्होंने राज्य को आगे बढ़ाने के लिए पूरी ताकत लगा दी। उन्होंने अपनी मां की एक सीख का भी जिक्र किया, गरीबों के लिए काम करना और कभी रिश्वत न लेना, जैसी सीख को उन्होंने अपने जीवन का मार्गदर्शन बताया।

पीएम मोदी के अनुसार, उनके कार्यकाल में गुजरात ने कृषि, उद्योग और इंफ्रास्ट्रक्चर में काफी तरक्की की और एक मजबूत राज्य के रूप में उभरा। उन्होंने यह भी कहा कि 2014 में जब उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया गया, तब देश में भरोसे का संकट था, लेकिन जनता ने उन्हें मजबूत समर्थन दिया।पीएम मोदी ने दावा किया कि पिछले 11 वर्षों में 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं और भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में एक मजबूत देश बनकर उभरा है। पीएम मोदी ने महिलाओं (नारी शक्ति), युवाओं और किसानों के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि देश की सेवा करना उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है। उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और लंबे सार्वजनिक जीवन की जमकर सराहना की है। अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी की दशकों की सेवा ने भारत में एक नया दौर शुरू किया है। उन्होंने गरीबों को अधिकार दिलाने, विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और दुनिया में भारत की छवि मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है।उन्होंने यह भी कहा कि नए भारत के निर्माण के लिए पीएम मोदी ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया है और पिछले 24 साल से अधिक समय से बिना छुट्टी लिए देश की सेवा कर रहे हैं। अमित शाह ने बताया कि पीएम मोदी को जनता का अपार प्यार और समर्थन मिला है। वास्तव में नरेन्द्र मोदी एक बिरले व्यक्तित्व है यह बात उनके विरोधी भी दबी जुबान से स्वीकार करते हैं।

मनोज कुमार अग्रवाल

संपादकीय

सेवा का सूर्योदय, इतिहास का सूर्यास्त नहीं: मोदी ने रचा 'अमर महाकाव्य'

[अटल पगों से अजर इतिहास तक: मोदी ने लोकतंत्र की नई परिभाषा गढ़ी]

[हर रात जागकर, हर सुबह संभालकर: मोदी का संकल्प अब माँ-बहनों के आँसुओं में अमर]

जब सेवा केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य बन जाए, तब हर कदम इतिहास की सुनहरी धारा में अंकित हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वह अद्वितीय और प्रेरक शिखर छू लिया, जो पहले केवल कल्पनाओं और स्वप्नों में ही संभव प्रतीत होता था। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में प्रारंभ हुई उनकी दूरदर्शी, संघर्षपूर्ण और प्रेरक यात्रा, और प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद, आज वे भारत के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित, आदरणीय और जनप्रिय सरकार प्रमुख बन चुके हैं। पूर्व सिक्किम मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए उन्होंने यह जीवंत और अभूतपूर्व संदेश दिया कि लोकतंत्र में जनता का विश्वास कितना अडिग, अपराजेय, अविचलनीय और प्रगाढ़ हो सकता है। यह कोई सामान्य उपलब्धि नहीं, बल्कि 8,931 दिनों की अनवरत निष्ठा, अथक परिश्रम, निस्वार्थ समर्पण, हृदयस्पर्शी जनसंपर्क और हर नागरिक के कल्याण की अपार प्रतिबद्धता का अनमोल प्रतीक है।

गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के बाद से लेकर आज तक मोदी जी की हर सुबह नई चुनौतियों और नए संकल्पों से शुरू हुई। 2001 में जब उन्होंने राज्य की बागडोर संभाली, तब गुजरात आपदा और अराजकता के बीच जूझ रहा था। मात्र 13 वर्षों में उन्होंने उसे विकास का प्रतीक बना दिया - 'वाइब्रेंट गुजरात' से लेकर द्वीपों के कोनों तक बुनियादी ढाँचा, रोजगार और समृद्धि का ऐसा जाल बुन दिया, जो आज हर नागरिक के जीवन को छूता है। हर घर में बिजली, पानी, सड़क और स्वच्छता जैसी छोटी-छोटी बातें उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाकर 'सबका साथ, सबका विकास' का मंत्र साकार किया। 8,931 दिनों में उन्होंने कभी व्यक्तिगत आराम नहीं लिया, कभी परिवार की चिंता नहीं की, सिर्फ राष्ट्र और जनता की भलाई की। यही कारण है कि आज हर गाँव, हर शहर में उनका नाम 'विकास पुरुष' के रूप में गूँजता है।

26 मई 2014 को जब उन्होंने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, तब देश एक नए युग की दहलीज पर खड़ा था। 2019 और 2024 में लगातार जनता ने उन्हें चुनकर यह स्पष्ट कर दिया कि नेतृत्व में निरंतरता और दृढ़ता कितनी महत्वपूर्ण है। इन 4,319 दिनों के प्रधानमंत्रित्व में उन्होंने सिर्फ नीतियाँ नहीं बनाई, बल्कि करोड़ों जीवन संवार दिए। उज्ज्वला योजना से लेकर आयुष्मान भारत, जन धन योजना से लेकर डिजिटल इंडिया - हर योजना के पीछे छुपी है किसी गरीब परिवार, किसी किसान या किसी महिला की एक छोटी-सी उम्मीद और कहानी। 8,931 दिनों की इस सेवा में उन्होंने कभी राजनीतिक विरोध को बहाना नहीं बनाया, बल्कि हर चुनौती को अवसर में बदलकर दिखाया। यही उनका अद्वितीय और प्रेरक अंदाज है।

आज जब हम 8,931 दिनों की गिनती करते हैं, तो हर दिन अपने आप में एक प्रेरक, साहसिक और उत्थानकारी कहानी बन जाता है। कभी आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक संघर्ष, कभी वैश्विक महामारी में टीकाकरण का अद्भुत चमत्कार, कभी आर्थिक संकट के समय आत्मनिर्भर भारत के आदर्श का नारा - हर घटना में नेतृत्व की दृढ़ता और दूरदर्शिता झलकती है। मोदी जी ने यह स्पष्ट कर दिया कि चुना हुआ नेता केवल सत्ता का प्रतीक नहीं, बल्कि निस्वार्थ सेवा, जनता के प्रति जिम्मेदारी और देशभक्ति का प्रतीक भी हो सकता है। उन्होंने पद की गरिमा कभी नहीं खोई, सत्ता के लालच में कभी नहीं डूबे। उनकी हर यात्रा, हर भाषण और हर निर्णय पूर्णतया जनता के हित और राष्ट्र के कल्याण के लिए रहा। छोटी-छोटी बातें - 'मैं हूँ ना' का भरोसा, 'मन की बात' में आम आदमी से सहज और सीधे संवाद - इन्हीं ने उन्हें हर नागरिक का अपना और पूरे देश का प्रेरक नेता बना दिया।

इस रिकॉर्ड के पीछे छिपा है अडिग संकल्प, अपराजेय इच्छाशक्ति और निस्वार्थ सेवा की प्रेरक भावना। 8,931 दिन मतलब 8,931 रातें जागना, 8,931 सुबहें नई उम्मीद, नई चुनौतियाँ और नए संकल्प लेकर उठना। उन्होंने कभी छुट्टी नहीं ली, कभी थकान को स्वीकार नहीं किया। गुजरात से दिल्ली तक की इस अद्वितीय और प्रेरक यात्रा में उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि लोकतंत्र में अगर इरादा मजबूत हो, तो कोई भी रिकॉर्ड असंभव नहीं है। आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जी-20 की अध्यक्षता कर चुका है, और वैश्विक पटल पर 'विश्वगुरु' बनने की ओर अग्रसर है - यह सब 8,931 दिनों की अथक, निस्वार्थ और प्रेरक सेवा का परिणाम है।

लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि यह रिकॉर्ड केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि भावनाओं, विश्वास और जनता के प्रति सच्चे समर्पण का प्रतीक है। हर माँ, बहन, किसान और युवा आज महसूस करता है कि उनके लिए कोई है जो कभी नहीं रुकता, जो उनके सुख-दुःख में हर पल खड़ा रहता है। मोदी जी ने सत्ता को सेवा में बदल दिया। उन्होंने दिखाया कि चुना हुआ नेता केवल पद का अधिकारी नहीं, बल्कि जनता के लिए अडिग सहारा, मार्गदर्शक और प्रेरणा बन सकता है। 8,931 दिन की इस यात्रा में उन्होंने कभी व्यक्तिगत लाभ नहीं लिया, केवल राष्ट्र और जनता के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। यही वजह है कि आज पूरा देश उन्हें श्रद्धा, सम्मान और गर्व के साथ सलाम करता है।

इस ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण पल पर हमें गर्व होना चाहिए। 8,931 दिन का 'मोदी युग' केवल एक नेता की कहानी नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक आकांक्षा, उनके विश्वास, उनकी मेहनत और उनके सपनों की प्रेरक कहानी है। यह स्पष्ट करता है कि जब जनता का भरोसा अडिग और गहरा हो, तो कोई भी रिकॉर्ड असंभव नहीं। आगे भी यही निष्ठा, यही समर्पण और यही दूरदर्शिता भारत को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगी। नरेंद्र मोदी ने इतिहास रच दिया है - अब आने वाली पीढ़ियाँ इस 'मोदी युग' को पढ़ेंगी, समझेंगी और सीखेंगी कि सच्ची सेवा, निस्वार्थ समर्पण और जनहित कभी थकते या रुकते नहीं।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

बिहार में मजदूरों का लिंक्डइन?

क्या मजदूरों का भी लिंक्डइन हो सकता है? ये सवाल सुनकर कई लोग आश्चर्य से भौहें चढ़ा लेंगे। लेकिन बिहार के दरभंगा जिले के चंद्रशेखर मंडल ने न सिर्फ ये सवाल उठाया, बल्कि इसे हकीकत में बदल दिया। हर सुबह शहरों के चौकों पर खड़े उन मजदूरों की तस्वीर देखिए हाथों में हथौड़ा, कुदाल या सिर्फ इंतजार। घंटों धूप में पसीना बहाते हैं, लेकिन काम किसी और को मिल जाता है। बिचौलिए बीच में आ जाते हैं, कमीशन काट लेते हैं, और मजदूर को मिलता है बस थोड़ा-सा पैसा और बहुत सारा अपमान। चंद्रशेखर ने ये दर्दनाक हकीकत अपनी आंखों से देखी। उन्होंने तय किया अब ये बदलेगा। कोविड महामारी के उस काले दौर में, जब लाखों मजदूर शहरों से गांव लौट आए और भूखे पेट सोने को मजबूर हो गए, चंद्रशेखर ने 'डिजिटल लेबर चौक' नामक प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। ये कोई साधारण ऐप नहीं, बल्कि उन अनगिनत हाथों की डिजिटल पहचान है, जो मेहनत तो करते हैं लेकिन सम्मान नहीं पाते। आज इस पहल से एक लाख से ज्यादा मजदूरों को काम मिल चुका है। ये सिर्फ नंबर्स नहीं, हजारों परिवारों की जिंदगी बदलने वाली कहानी है। चंद्रशेखर मंडल का सफर खुद एक संघर्षपूर्ण गाथा है। दरभंगा के एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाले चंद्रशेखर ने कभी मजदूरों की पीड़ा को किताबों से नहीं सीखा, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में महसूस किया। बचपन से ही उन्होंने देखा कि कैसे उनके मोहल्ले के मजदूर सुबह चार बजे उठते, साइकिल पर लदकर शहर के चौक पहुंचते, लेकिन शाम को खाली हाथ लौट आते। 'काम मिलेगा या नहीं, ये भाग्य पर निर्भर था,' चंद्रशेखर बताते हैं। खुद आईटी बैकग्राउंड से आने वाले चंद्रशेखर ने कभी सोचा नहीं था कि उनका ज्ञान मजदूरों की भलाई के लिए काम आएगा। 2020 में लॉकडाउन लगा तो हालात और बिगड़ गए। प्रवासी मजदूर पैदल सैकड़ों किलोमीटर चलकर बिहार लौटे। नौकरियां छूट गईं, ठेकेदार गायब हो गए। चंद्रशेखर ने सोचा, क्यों न एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाया जाए जो मजदूरों को ठेकेदारों से सीधे जोड़े? बिचौलिए खत्म हो जाएं, रेट्स पारदर्शी हों और काम घर बैठे मिले। इस विचार से 'डिजिटल लेबर चौक' का जन्म हुआ। शुरू में ये एक साधारण व्हाट्सएप ग्रुप था, लेकिन जल्दी ही इसे ऐप और वेबसाइट में बदल दिया गया।

डिजिटल लेबर चौक कैसे काम करता है, ये समझना आसान है। मजदूर मोबाइल पर ऐप डाउनलोड करते हैं, जो हिंदी और स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध है। वे अपनी प्रोफाइल बनाते हैं – नाम, उम्र, स्किल्स जैसे मिस्त्री, प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन, लोडर, पेंटर या निर्माण मजदूर। फोटो अपलोड करते हैं, अनुभव बताते हैं, लोकेशन चुनते हैं और उपलब्धता मार्क करते हैं। अब मजदूरों का अपना 'लिंक्डइन' तैयार! दूसरी तरफ ठेकेदार या मकान मालिक ऐप पर लॉगिन करते हैं। उन्हें काम की डिटेल्स भरनी पड़ती हैं कितने मजदूर चाहिए, कौन-सी स्किल, कितने दिन का काम, कितना रेट। ऐप एल्गोरिदम मैच करता है और सही मजदूरों की लिस्ट भेजता है। ठेकेदार सीधे कॉल या चैट कर सकता है। कोई कमीशन नहीं, कोई बिचौलिया नहीं। काम पूरा होने पर दोनों पक्ष रिव्यू देते हैं, जो अगले काम के लिए प्रोफाइल को मजबूत बनाता है। पेमेंट डिजिटल होता है UPI से सीधे मजदूर के अकाउंट में। ये सिस्टम न सिर्फ समय बचाता है, बल्कि विश्वास भी बनाता है। दरभंगा के एक मजदूर रामविलास सिंह कहते हैं, 'पहले चौक पर लाइन लगानी पड़ती थी, लड़ाई-झगड़े होते थे। अब फोन पर काम आ जाता है। मेरी मासिक कमाई दोगुनी हो गई।'

इस प्लेटफॉर्म की सफलता के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। लॉन्च के दो सालों में ही एक लाख से ज्यादा मजदूर रजिस्टर हो चुके हैं। बिहार के दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर से शुरू होकर ये पटना, मुजफ्फरपुर और यहां तक कि दिल्ली, मुंबई जैसे शहरों तक फैल चुका है। रोजाना हजारों जॉब पोस्ट होते हैं छोटे मरम्मत के काम से लेकर बड़े कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स तक। कोविड के बाद जब कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री पटरी पर लौटी, तो डिजिटल लेबर चौक ने मजदूरों की कमी को पूरा किया। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 70 प्रतिशत यूजर्स ग्रामीण इलाकों से हैं, जो स्मार्टफोन क्रांति का फायदा उठा रहे हैं। चंद्रशेखर ने ट्रेनिंग कैंप भी लगाए, जहां बुजुर्ग मजदूरों को ऐप चलाना सिखाया गया। महिलाओं के लिए अलग सेक्शन है घरेलू कामगारों, धोबी या कढ़ाई करने वालों के लिए। ये प्लेटफॉर्म सिर्फ रोजगार नहीं देता, बल्कि स्किल डेवलपमेंट भी। ऐप पर फ्री ट्यूटोरियल वीडियो हैं सेफ्टी टिप्स, नई तकनीकें सीखने के लिए। एक मजदूर ने बताया, 'मैंने ऐप से वेल्डिंग सीखी और अब दोगुना रेट लेता हूं।'

लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं रहीं। शुरू में इंटरनेट की कमी, स्मार्टफोन न होने की समस्या थी। चंद्रशेखर ने लोकल हल्रह के साथ मिलकर फ्री स्मार्टफोन डिस्ट्रीब्यूट किए। बिचौलिए खुश नहीं हुए उन्होंने विरोध किया, अफवाहें फैलाईं। लेकिन मजदूरों का समर्थन मिला। सरकार ने भी सराहना की। बिहार सरकार की 'डिजिटल बिहार' पहल से इसे बढ़ावा मिला। अब ये स्टार्टअप फंडिंग की तलाश में है, ताकि ढ्ढ फीचर्स जोड़े जा सकें जैसे वॉयस सर्च हिंदी में या लोकेशन बेस्ड मैचिंग। चंद्रशेखर कहते हैं, 'हमारा सपना पूरे भारत को कवर करना है। हर मजदूर का डिजिटल चौक हो।'

ये कहानी सिर्फ चंद्रशेखर की नहीं, बल्कि उन अनाम नायकों की है जो देश की रीढ़ हैं। भारत में 50 करोड़ से ज्यादा अनौपचारिक मजदूर हैं। उनकी 90 प्रतिशत कमाई बिचौलियों के कारण कम हो जाती है। डिजिटल लेबर चौक जैसे प्लेटफॉर्म डिजिटल इंडिया को ग्रामीण स्तर पर साकार कर रहे हैं। ये साबित करता है कि तकनीक अमीरों तक सीमित नहीं। एक साधारण स्मार्टफोन हाथ में आ जाए, तो जिंदगी बदल सकती है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'भारत की आत्मा गांवों में बसती है।' चंद्रशेखर गांवों को डिजिटल बना रहे हैं। आज जब हम लिंक्डइन पर प्रोफेशनल्स देखते हैं, तो सोचिए मजदूरों का भी लिंक्डइन क्यों न हो? चंद्रशेखर ने दिखा दिया, ये मुमकिन है। उनकी ये पहल न सिर्फ आर्थिक सशक्तिकरण ला रही है, बल्कि सामाजिक सम्मान भी बहाल कर रही है। वो हाथ जो कभी अनदेखे थे, आज ऐप पर चमक रहे हैं। अगर आप भी कोई ठेकेदार हैं या मजदूर, तो digitallabourchowk.com पर विजिट करें। ये बदलाव की शुरुआत है एक ऐसे भारत की, जहां मेहनत का पूरा हक मिले। चंद्रशेखर मंडल जैसे योद्धा हमें सिखाते हैं कि समस्या जितनी बड़ी, समाधान उतना ही सरल हो सकता है। बस हिम्मत चाहिए, और थोड़ा सा डिजिटल जादू।

महेन्द्र तिवारी

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

रंजिश में महिला से मारपीट, चार पर मुकदमा दर्ज

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के पूरे जानकी मजरे लोधीपुर उतरावां गांव में रंजिश के चलते एक महिला के साथ मारपीट हो गई। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। गांव निवासी प्रियंका देवी ने आरोप लगाया कि वह खेत जा रही थी तभी गांव के ही राजेश चंद्र, संजय, प्रियंका समेत एक अज्ञात व्यक्ति ने मिलकर उसके साथ मारपीट की। घटना के बाद पीड़िता ने कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

राष्ट्रीय बजरंग दल की बैठक में संगठन के विस्तार पर जोर

गोला गोकर्णनाथ खीरी, राष्ट्रीय बजरंग दल की जिला स्तरीय बैठक में रविवार को संगठन के विस्तार और मजबूती को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। जिलाध्यक्ष राकेश कनोजिया ने गांव-गांव तक पहुंच बनाकर अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़ने पर जोर दिया। प्रदेश संगठन मंत्री रमाकांत अवस्थी ने संगठन की नीतियों और उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए अनुशासन और समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया ने बताया कि संगठन द्वारा जिले में 100 से अधिक हनुमान चालीसा केंद्र खोले जा चुके हैं और बताया की हमारा लक्ष्य है कि 501 हनुमान चालीसा केंद्र चलाने का हैं। सभी कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि अपने गांव मोहल्ले मंदिर धार्मिक स्थल पर हर मंगलवार व शनिवार को ज्यादा से ज्यादा हिंदू भाई सम्मिलित होकर हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। बैठक में हनुमान चालीसा की किताब एक मुट्ठी अनाज के लिए थेले बाटे गये। जिला महामंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया कि दिए गए थे को में प्रति एक घर से एक मुट्ठी अनाज पूर्ति डालकर रखें जब एक महीना हो जाए तो उसे अनाज को किसी गरीब हिंदू को देदे जिससे उसकी जीव का चल जाएगी। इस मौके पर जिला मंत्री अखिलेश जायसवाल, जिला महामंत्री प्रदीप जायसवाल, विधानसभा अध्यक्ष सोनू बजरंगी, मंडल अध्यक्ष गोल्ड मिश्रा, संजय सिंह चौहान, निखिल कश्यप, रिंकल जायसवाल, अजय, अमन जायसवाल, सूरज देवल और प्रदीप राठौर समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहें।

वनस्थली महाविद्यालय के संस्थापक का निधन

मिर्जापुर। जिले के अहरौरा क्षेत्र अंतर्गत वनस्थली महाविद्यालय के लिए सोमवार का दिन शोक संतप्त वाला रहा। सन 1999 में वनस्थली महाविद्यालय का नींव रखने वाले जय हिंद विद्या मंदिर के पूर्व प्रधानाचार्य सुरेश सिंह का लंबे बीमारी के चलते वाराणसी के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। बताते चलें की 1999 में जय हिंद विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य पद से रिटायर होने के पश्चात कुछ संपन्न लोगों के सहयोग से वनस्थली महाविद्यालय का निर्माण कर प्रधानाचार्य और प्रबंधक के रूप में कार्य करते रहे। महाविद्यालय में उत्तम शिक्षा व्यवस्था के लिए लोगों से चंदा इकट्ठा करते रहे और महाविद्यालयका विकास करते गए। कई विषयों के मान्यता के साथ महाविद्यालय का संचालन सुचारू रूप से किये। विगत दो-तीन वर्षों से अस्वस्थ होने के कारण विद्यालय आने में असमर्थ थे। भगत सिंह के शहीद दिवस के मौके पर संस्थापक जी ने वाराणसी के निजी अस्पताल में अंतिम सांस लिया। खबर सुनकर विद्यालय में शिक्षक और छात्र शोकाकुल हो गए। अस्पताल से शव को पहले वनस्थली महाविद्यालय दर्शन हेतु लाया गया तत्पश्चात उनके पैतृक गांव पचेवरा ले जाया गया। परिजनों ने बताया कि आज शाम 5:00 बजे हरिशचंद्र घाट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा।

मलिहाबाद-मोहन मार्ग पर भीषण सड़क हादसा: तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, माँ-बेटी समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी के मलिहाबाद-मोहन मार्ग पर एक दर्दनाक और भीषण सड़क हादसा सामने आया है, जिसमें एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार परिवार को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार युवक, उसकी मां और बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। मिली जानकारी के अनुसार उन्नाव जनपद के औरास थाना क्षेत्र के नेवरा घाट निवासी साहिल अपनी माता निर्मला और बहन चाहत के साथ बाइक से बाराती खेड़ा गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। तीनों लोग आराम से अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे थे कि तभी मोहान की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार (UP 32 NT 6476) ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिरकर काफी दूर तक घिसटते चले गए। हादसे के बाद तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए और कुछ समय तक सड़क पर ही तड़पते रहे। घटना को देखकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। लेकिन घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस स्थान पर यह हादसा हुआ, वहां इन दिनों सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य के कारण सड़क की स्थिति खराब है और जगह-जगह अवरोध बने हुए हैं। इसके साथ ही उस क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं है, जिससे रात के समय अंधेरा बना रहता है और हादसों की संभावना बढ़ जाती है।

ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग पर पहले भी कई छोटे-बड़े हादसे हो चुके हैं, लेकिन अब तक प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क निर्माण कार्य को सुरक्षित तरीके से जल्द पूरा कराया जाए और वहां स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और कार चालक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह हादसा एक बार फिर सड़क सुरक्षा और लापरवाही से वाहन चलाने के गंभीर परिणामों को उजागर करता है। थाने पर खड़ी क्षतिग्रस्त कार और बाइक

गैस सिलेंडर का संकट: मैसेज आया, लेकिन सिलेंडर नहीं! उपभोक्ता परेशान

● होटलों में घरेलू गैस सिलेंडर हो रहे उपयोग

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। नगर और आसपास के क्षेत्रों में घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। उपभोक्ताओं को बुकिंग के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि मोबाइल पर डिलीवरी का मैसेज आने के बावजूद सिलेंडर घर तक नहीं पहुंच रहा। गैस एजेंसियों के चक्कर काट रहे लोग घंटों लाइन में लगने के बाद भी खाली हाथ लौट रहे हैं। वहीं दूसरी ओर होटलों में घरेलू गैस सिलेंडरों का खुलेआम उपयोग होने से लोगों में भारी नाराजगी है।

नगर निवासी राजकुमार ने बताया कि तीन दिन पहले बुकिंग के बाद भी सिलेंडर नहीं मिला, जबकि डिलीवरी का मैसेज आ चुका है। निराला नगर की संगीता पिछले दो हफ्तों से परेशान हैं। एजेंसी द्वारा केवाईसी का हवाला देकर उन्हें टरकाया जा रहा है। रामचंद्र का कहना है कि एजेंसी सिलेंडर देने में असमर्थ है और सिर्फ लंबी लाइन लगवाई जाती है। लोगों का सवाल है कि जब आम उपभोक्ता को गैस नहीं मिल रही, तो होटलों तक घरेलू सिलेंडर कैसे पहुंच रहे हैं? इस मामले में एसडीएम मिथिलेश त्रिपाठी ने कहा कि उन्हें जानकारी नहीं है, लेकिन जांच कराकर सभी उपभोक्ताओं को नियमानुसार गैस उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

अचानक कार का दरवाजा खुलने से अधिवक्ता घायल, मामला दर्ज

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बेहटा चौराहा पर सड़क हादसे में घायल अधिवक्ता की शिकायत पर पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। सरेनी थाना क्षेत्र के हुल्लापुर निवासी अजीत भास्कर ने पुलिस को बताया कि 17 मार्च को वह बाइक से तहसील जा रहे थे।

बेहटा चौराहा के पास सामने चल रही कार के चालक ने अचानक ब्रेक लगाया और दाहिनी ओर का दरवाजा खोल दिया। दरवाजे से टकराकर वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी टांग टूट गई। आरोप है कि चालक इलाज का झांसा देकर मौके से फरार हो गया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि लखनऊ के तेलीबाग निवासी सतीश सिंह उर्फ सुरेश गौतम के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

रिश्ते की आड़ में नाबालिग को भगा ले गया,युवक

लालगंज रायबरेली कोतवाली क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां बड़ी बेटी से शादी तय करने आया युवक छोटी बहन को ही भगा ले गया। पीड़िता महिला ने उन्नाव जनपद निवासी युवक पर नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है।

पीड़िता के अनुसार, उन्नाव के सिम्मा, सिकंदरपुर कर्ण, बीघापुर निवासी युवक शुभम के साथ उसकी बड़ी बेटी की शादी तय हुई थी। 15 मार्च को युवक अपने परिवार के साथ लड़की देखने आया था। वापस जाते समय उसने छोटी बेटी को साथ ले जाने की जिद की, जिस पर परिजनों ने रिश्ते के भरोसे उसे भेज दिया। दो दिन बाद बेटा बहन को वापस ले आया, लेकिन आरोप है कि उसी रात करीब 12 बजे युवक फिर घर पहुंचा और चुपके से छोटी बेटी को दोबारा लेकर फरार हो गया। मामले की शिकायत पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह के अनुसार, किशोरी को बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

संपूर्ण समाधान दिवस रास्ता अवरुद्ध, गलत निस्तारण और चकरोड विवाद की शिकायतें

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। तहसील सभागार में सोमवार को सीडीओ की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र से जुड़ी कई समस्याएं अधिकारियों के सामने रखी गई। बरी गांव की बुजुर्ग दिव्यांग महिला पारबती ने शिकायती पत्र देकर गांव के ही एक व्यक्ति पर जबरन रास्ता अवरुद्ध करने का आरोप लगाया।

पीड़िता ने बताया कि उसे चलने-फिरने में दिक्कत होती है, लेकिन आरोपियों ने उसके आवागमन का रास्ता बंद कर दिया है, जिससे उसे भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, बाजपेईपुर मजरे सोंडासी निवासी स्वयंवर नाथ मिश्रा ने पूर्व में दी गई शिकायत के गलत निस्तारण का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पंचायत सचिव ने बिना सही जांच के गलत रिपोर्ट लगा दी और एडीओ पंचायत द्वारा भी ग्रामीणों से कोई जानकारी नहीं ली गई।

इसके अलावा सरेनी के गहरौली गांव निवासी सुरेंद्र प्रताप सिंह, शिवकरन, विजय बहादुर, नरेंद्र और नृपेंद्र समेत अन्य ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से चकरोड को चिन्हित कर उसकी मरम्मत कराए जाने की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ काश्तकारों ने चकरोड को काटकर अपने खेत में मिला लिया है, जिससे आवागमन में दिक्कत हो रही है। संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 35 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई। इस दौरान सीडीओ अंजूलता की अध्यक्षता में अधिकारियों ने शिकायतों के निस्तारण के निर्देश दिए। मौके पर एसडीएम मिथिलेश त्रिपाठी, सीओ अमित सिंह, तहसीलदार शिवम राठौड़ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सीतापुर: नकारा ग्राम पंचायत के जसवंत नगर में शिक्षा संकल्प कार्यक्रम के तहत जागरूकता कार्यशाला आयोजित

● 'बिसवां क्षेत्र में शिक्षा अभियान तेज, पहल फाउंडेशन ने जसवंत नगर में चलाया जागरूकता कार्यक्रम '

स्वतंत्र प्रभात

बिसवां/सीतापुर। जनपद के विकासखंड बिसवां अंतर्गत ग्राम पंचायत नकारा के मजरा जसवंत नगर में पहल फाउंडेशन के तत्वाधान में 'शिक्षा संकल्प कार्यक्रम' के अंतर्गत एक दिवसीय जन-जागरूकता कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा ड्रॉपआउट एवं स्कूल से वंचित बच्चों को पुनः विद्यालय से जोड़ना रहा। कार्यक्रम में ' डॉ. सुधाकर का यह सपना! शिक्षित हो हर बच्चा अपना!! ध्येय वाक्य को केंद्र में रखते हुए उपस्थित ग्रामीणों, अभिभावकों एवं बच्चों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यशाला के दौरान विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों, संवाद सत्रों एवं जागरूकता अभियानों के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया गया कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें।

इस अवसर पर डॉ. सुधाकर वर्मा द्वारा संचालित पहल फाउंडेशन की सराहना करते हुए बताया गया कि संस्था द्वारा जनपद सीतापुर में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा संकल्प कार्यक्रम के माध्यम से गांव-गांव जाकर बच्चों को शिक्षित करने का अभियान समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है। कार्यशाला में फैसिलिटेटर लवलेश कुमार एवं लवकुश यादव की सक्रिय भागीदारी रही।

वहीं डॉ. चंद्रशेखर प्रजापति ने भी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्हें नियमित रूप से विद्यालय जाने और शिक्षा को अपने जीवन का आधार बनाने के लिए प्रेरित किया। पहल फाउंडेशन द्वारा विकासखंड बिसवां के विभिन्न ग्रामों एवं पंचायतों में इस प्रकार की जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन निरंतर किया जा रहा है, जिससे शिक्षा के प्रति लोगों में सकारात्मक सोच विकसित हो रही है और बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।

ब्लॉक सभागार में शहीद-ए-आजम भगत सिंह के शहादत दिवस के अवसर पर एक भव्य 'पुण्यतिथि एवं न्याय सम्मेलन' का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज/रायबरेली। सोमवार को महराजगंज ब्लॉक सभागार में शहीद-ए-आजम भगत सिंह के शहादत दिवस के अवसर पर एक भव्य 'पुण्यतिथि एवं न्याय सम्मेलन' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सुशील पासी मौजूद रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को शहीद भगत सिंह के विचारों से जोड़ना और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना रहा। सम्मेलन में उपस्थित युवाओं के भारी जोश को देखते हुए यह संदेश दिया कि यह धरती परिवर्तन की सूत्रधार बनेगी। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि देश में न्याय, समानता और सभी को अधिकार दिलाने के लिए संविधान की आत्मा को जीवित रखना अनिवार्य है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव सुशील पासी ने कड़े शब्दों में एकजुटता का आह्वान किया। उन्होंने कहा हमें किसी जाति या धर्म की दीवारों में कैद नहीं होना है। एक भारतीय के तौर पर हमारा सिर्फ एक ही रास्ता है– संविधान। हम संविधानवादी हैं और उसी मार्ग पर चलेंगे। उन्होंने भीमराव अंबेडकर, भगत सिंह और महात्मा गांधी के सिद्धांतों का जिक्र करते हुए कहा कि देश की तरक्की का रास्ता संविधान के पालन में ही निहित है। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि अक्सर क्रांतिकारी नायकों को भुला दिया जाता है, लेकिन आज युवाओं ने भगत सिंह को याद कर यह साबित कर दिया है कि देश अब किसी भी प्रकार की मानसिक या सामाजिक गुलामी को बर्दाश्त नहीं करेगा।

इस मौके पर आमिर खान आजाद, वीरेंद्र यादव, भगवान दीन फौजी, सच्चिदानंद त्रिपाठी, मोहम्मद उमर, अखिलेश शुक्ला, जमुना पासी, संजय पांडे, अजमल खान, संकल्प पटेल, शामिद अशरफ, प्रदीप चौधरी एवं भारी संख्या में युवाओं और स्थानीय नेताओं ने हिस्सा लिया।

लहरपुर तहसील में फ्री मेडिकल हेल्थ कैंप का किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

लहरपुर सीतापुर जनरल इंश्योरेंस कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया श्री पीतांबरा शिक्षा समिति एवं केपी सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल पारा सराय के संयुक्त तत्वाधान में एक फ्री मेडिकल हेल्थ कैंप का आयोजन तहसील लहरपुर के तहसील परिसर में आयोजित किया गया जिसमें 288 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाई दी गई और उनकी जांच कराई गई कैंप में डॉक्टर एस ए मीर एमडी मेडिसिन डॉ सौरभ जैन डॉक्टर मधुलिका राय तथा डॉक्टर हर्षित जैन एवं नर्सिंग स्टाफ मेडिकल स्टाफ के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी आकांक्षा गौतम ने कैंप का निरीक्षण करते हुए बताया गरीब निर्धन जरूरतमंद लोगों की सहायता करना ही सच्ची मानव सेवा एवं पुनीत कार्य है उन्होंने बताया उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा 70 वर्ष के आयु पूर्ण कर चुके लोगों का आयुष्मान कार्ड बिल्कुल निशुल्क बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा आयुष्मान कार्ड धारक का 5 लाख तक का इलाज बिल्कुल निशुल्क और अच्छी सुविधाओं के साथ किया जा रहा है कार्यक्रम में मुख्य रूप से अंशुमान सिंह ऐश्वर्रय प्रताप सिंह सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद हसीन अंसारी शिवपूजन सिंह समेत क्षेत्र के नागरिक एवं लाभार्थी मौजूद रहे।

लखनऊ से दुधवा नेशनल पार्क तक चल रही ष्ट बस का टि?िकट अब ऑनलाइन करा सकते हैं बुक, किराया 500 रुपये से भी कम

लखनऊ। कैसरबाग बस स्टेशन से दुधवा नेशनल पार्क गौरीफंटा तक चल रही वातानुकूलित बस सेवा का ऑनलाइन टिकट ले सकेंगे। यह बस कैसरबाग से सुबह आठ बजे चलकर सीतापुर, लखीमपुर, पलिया होते हुए दुधवा नेशनल पार्क डेढ़ बजे और गौरीफंटा दो बजे पहुंचती है। क्षेत्रीय प्रबंधक लखनऊ अमरनाथ सहाय ने बताया, तीन बजे यह बस गौरीफंटा से चलकर साढ़े तीन बजे दुधवा नेशनल पार्क पहुंचती है, वहां से पलिया, लखीमपुर व सीतापुर होकर रात्रि नौ बजे कैसरबाग पहुंचती है। ऑनलाइन टिकट बनने से अब पर्यटक आसानी से आवागमन कर सकेंगे। कैसरबाग से दुधवा नेशनल पार्क की दूरी 231 किलोमीटर और किराया 498 रुपये रखा गया है। वहीं, गौरीफंटा की दूरी 251 किलोमीटर व किराया 536 रुपये है।

दबंगों का कहर: बुजुर्गों सहित परिवार पर जानलेवा हमला, पुलिस पर लापरवाही के आरोप

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज/रायबरेल। कोतवाली क्षेत्र के महतो का पुरवा मजरे थुलवासा गांव में दबंगों द्वारा एक ही परिवार पर जानलेवा हमला किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि हमलावरों ने धारदार हथियारों से हमला कर बुजुर्गों समेत कई लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद घायल अवस्था में पीड़ित परिवार न्याय के लिए दर-दर भटक रहा है। आरोप है कि पुलिस अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर सकी है और न ही किसी पक्ष को थाने बुलाकर पूछताछ की गई है। इससे दबंगों के हौसले बुलंद हैं और वे खुलेआम घूमते हुए पीड़ित परिवार को लगातार धमका रहे हैं।

पीड़ितों का कहना है कि यदि जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो हमलावर दोबारा जानलेवा हमला कर सकते हैं। न्याय की आस में आज पीड़ित पक्ष पुलिस अधीक्षक कार्यालय न्याय प्रिय पुसिल अधीक्षक रवि कुमार से मुलाकात कर अपनी व्यथा सुनाई। पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित कोतवाली प्रभारी को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। हालांकि, खबर लिखे जाने तक पुलिस के हाथ खाली बताए जा रहे हैं और किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। इस पूरे मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं और पीड़ित परिवार न्याय की गुहार लगा रहा है।

यूपी पुलिस के 1889 पदों पर होगी सीधी भर्ती, बोर्ड की वेबसाइट पर चेक कर सकते हैं डिटेल

लखनऊ। पुलिस में उप निरीक्षक गोपनीय, सहायक उप निरीक्षक (लेखा) व सहायक उप निरीक्षक (लिपिक) के 537 और कंप्यूटर ऑपरेटर के 1352 पदों पर सीधी भर्ती के लिए लिखित परीक्षा अक्टूबर में आयोजित की जाएगी।

इस संदर्भ में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने अपनी वेबसाइट पर सूचना प्रकाशित की है। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि सहायक परिचालकों के 44 पदों के लिए भी सीधी भर्ती को लेकर लिखित परीक्षा का आयोजन अक्टूबर या नवंबर माह में किया जाएगा। अभ्यर्थियों के लिए बोर्ड की वेबसाइट uppbpb.goiv.in पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध करा दी गई है।

पूर्ति निरीक्षक के सहयोगात्मक कार्य प्रणाली से लोगों को मिल रही राहत

सिद्धार्थनगर। तहसील शोहरतगढ़ के बढ़नी क्षेत्र में पूर्ति निरीक्षक के रूप में योगदान दे रहे राना प्रताप सिंह के कार्य व्यवहार से क्षेत्र के लोगों को कार्यों के सम्पादन में अब आसानी मिल रही है। पूर्ति निरीक्षण कार्यालय पहुंचने वाले फरियादी को निराश नहीं होना पड़ता है। राना प्रताप सिंह पूर्व में भारत की सेना में रहकर देश की सेवा कर चुके हैं, और अब वे एक पूर्ति निरीक्षक के रुप में लोगों की सेवा कर रहे हैं। राशनकार्ड उपभोक्ताओं की समस्या के समाधान में ततपरता से काम कर रहे हैं। उनके सहयोगात्मक कार्य प्रणाली से लोगों को मिल रही राहत मिल रही है। इस समय रसोई गैस की मांग अधिक होने पर गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की लम्बी कतार लगी रहती है, जिससे रसोई गैस उपभोक्ताओं की शिकायत बराबर हों रही है। कालाबाजारी की शिकायत पर इनके द्वारा हाल ही में छापामारी कर काफी संख्या में गैस सिलेंडर बरामद किया गया है। जिसकी लोग प्रसंशा कर रहे हैं। पूर्ति निरीक्षक राना प्रताप सिंह ने कहा कि गैस सिलेंडर या राशनकार्ड, खाद्यान्न आदि किसी प्रकार की समस्या आने पर उपभोक्ता कभी भी दूरभाष 84920 08527 पर या कार्यालय अवधि में तहसील मुख्यालय परिसर स्थित कार्यालय में पहुंचकर समस्या का निस्तारण करा सकते हैं।

उधारी के पैसे मांगना पड़ा भारी: दबंगों ने दुकानदार पर किया जानलेवा हमला, मारपीट में भाई का हाथ टूटा

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत सिसेंडी गांव में कर्ज के पैसे वापस मांगना एक दुकानदार के लिए मुसीबत बन गया। उधारी चुकाने के बजाय दबंगों ने साथियों के साथ मिलकर न केवल दुकानदार की पिटाई की, बल्कि दुकान में घुसकर जमकर उत्पात मचाया। इस हिंसक झड़प में दुकानदार का हाथ टूट गया है और उनके बड़े भाई को भी गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है और पीड़ित परिवार ने न्याय की गुहार लगाई है।

प्राप्त विवरण के अनुसार, सिसेंडी निवासी प्रांशू विश्वकर्मा, जो सिसेंडी-भीलमपुर रोड पर पोस्ट ऑफिस के पास किराने की दुकान चलाते हैं, सोमवार सुबह अपनी दुकान खोलने पहुंचे थे। आरोप है कि जैसे ही दुकान खुली, गांव के ही निवासी लालजी और संतोष (पुत्र स्व. हरीराम) अपने कुछ अज्ञात साथियों के साथ वहां आ धमके। दुकान पर पहुंचते ही आरोपियों ने पुरानी उधारी के पैसे मांगने की बात को लेकर प्रांशू को भद्दी-भद्दी गालियां देना शुरू कर दिया। विरोध करने पर मामला और बिगड़ गया और हमलावरों ने लाठी-डंडों से लैस होकर दुकान पर धावा बोल दिया।

इस दौरान बीच-बचाव करने आए प्रांशू के बड़े भाई और परिजनों को भी बेरहमी से पीटा गया। दबंगों के प्रहार से प्रांशू का हाथ फ्रैक्चर हो गया है, जबकि उनके भाई के शरीर पर भी गंभीर चोटों के निशान हैं। शोर सुनकर जब तक आसपास के ग्रामीण इकट्ठा होते, आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने पहले भी दुकान से उधार सामान लिया था, जिसे मांगने पर वे लगातार टालमटोल कर रहे थे और सोमवार को योजनाबद्ध तरीके से हमला करने पहुंचे थे।

इस मामले में पुलिस ने कड़ा रुख अपनाया है। थाना प्रभारी बृजेश त्रिपाठी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर नामजद आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घायलों को चिकित्सीय परीक्षण के लिए भेज दिया गया है और पुलिस की टीमें फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही हैं। पुलिस का कहना है कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

शहीद दिवस पर वीर शहीदों को यादकर लोगों ने अर्पित किये श्रद्धा सुमन

शहीद दिवस पर देश के अमर शाहीद भगत सिंह, सुखदेव राजगुरु को श्रद्धासुमन अर्पित करते पूर्व विधायक चौधरी अमर सिंह और अन्य लोग

सिद्धार्थनगर। वीरेंद्र सिंह ग्रामीण स्टेडियम छतहरी में सोमवार को छात्र, युवा, किसान महासम्मेलन के तत्वाधान में शहीद दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें देश के शहीद ए आजम भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु सहित तमाम वीर सपूतों को लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया। पूर्व विधायक चौधरी अमर सिंह ने कहा कि हमें देश के लिए कुर्बान होने वाले क्रांतिकारी वीर सपूतों को याद कर उनके द्वारा दिए गए देश प्रेम की भावना से प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम सभी ऐसे देश के नागरिक हैं जहां पर गंगा जमुनी तहज़ीब की महक पूरी दुनिया में मिसाल के तौर पर देखी जाती है। सभी लोगों को चाहिए कि देश व राष्ट्र प्रेम की भावना से एकजुट होकर देश के विकास के लिए अपना योगदान दें। केशव चन्द यादव ने कहा कि देश की आजादी के लिये न्यौछावर होने वाले वीर सपूतों व वीरांगनाओं को देश भुला नहीं सकता।।दीपक यदुवंशी ने कहा कि विभिन्न राजनीतिक दल के लोग आज यहां एक मंच पर शहीद दिवस पर इकट्ठा हैं। क्रांतिकारियों के इतिहास को समझने और उनसे प्रेरणा लेने की जरूरत है। माध्यमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष रामविलास यादव ने कहा कि युवा पीढ़ी को चाहिए कि वह देश के लिए शहीद होने वाले वीर सपूतों के जीवनी से सीख लेकर देश प्रेम के भावना को आत्मसात करें। इस दौरान काज़ी सुहेल अहमद, जिल्ले गालिब, विक्रम यादव, हरिराम यादव, नवीन कुमार दूबे, विजय यादव, सत्यनारायण यादव, शिवचंद यादव, अंबिका त्रिपाठी, राजीव शुक्ला आदि मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर छात्रों ने मोहा मन

सिद्धार्थनगर: गोल्हौरा क्षेत्र के स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल, बरगदवा में आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर मोहा मन। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उपेंद्र प्रताप सिंह (प्रतिनिधि जिलापंचायत अध्यक्ष) द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने गणेश वंदना व सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए स्वागत गीत, वसन्ती गीत, सहगान, देशभक्ति गीत व विकास गीत की प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। नाटक व देवी गीत के मंचन ने भी दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान दर्शकों की तालियों से परिसर गूंजता रहा। कार्यक्रम में माधुरी, सुनैना, अनिका, पलक, आराधना, काव्या, आस्था, साधना, दृष्टि पांडे, शिव, सौरभ, रमेश, अखिलेश, दुर्गेश द्विवेदी, प्रिंस व राजकुमार सहित अन्य बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर विद्यालय परिवार के दीनानाथ श्रीवास्तव, जितेंद्र कुमार मिश्रा, कृष्ण देव त्रिपाठी, रवींद्र नाथ तिवारी, प्रियंका श्रीवास्तव सहित अन्य शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रबंधक प्रेमलता श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, अभिभावकों व सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

साइबर ठगी का पर्दाफाश- दो साइबर अपराधी गिरफ्तार, मोबाइल फोन बरामद

● **टेलीग्राम के जरिए निवेश के नाम पर 1.05 लाख की ठगी, तकनीकी जांच से आरोपियों तक पहुंची पुलिस**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। शाहदरा जिला पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए टेलीग्राम आधारित निवेश ठगी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अपराध में इस्तेमाल किए गए मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। यह कार्रवाई थाना साइबर शाहदरा की टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों और डिजिटल जांच के आधार पर की गई, जिससे एक संगठित साइबर ठगी नेटवर्क का खुलासा हुआ है।यह मामला 12 नवंबर 2025 को सामने आया, जब शाहदरा निवासी 30 वर्षीय रमन शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई कि उनके साथ टेलीग्राम के माध्यम से निवेश के नाम पर धोखाधड़ी की गई है। शिकायत के अनुसार, 18 जुलाई 2025 को उन्हें एक टेलीग्राम ग्रुप के जरिए संपर्क किया गया, जहां अज्ञात व्यक्तियों ने उन्हें क्रिप्टो ट्रेडिंग और आकर्षक निवेश योजनाओं का लालच दिया। ठगों ने फर्जी मुनाफे के स्क्रीनशॉट और अन्य लोगों के लाभ के झूठे दावे दिखाकर उनका विश्वास जीत लिया। इन झूठे प्रलोभनों में आकर शिकायतकर्ता ने कुल 1,05,969/- की राशि तीन अलग-अलग बैंक खातों और यूपीआई आईडी में ट्रांसफर कर दी। इस संबंध में थाना साइबर शाहदरा में एफआईआर संख्या 120/2025 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें इंस्पेक्टर विनीत कुमार के नेतृत्व में एचसी धर्मेंद्र, एचसी विकास और एचसी संदीप शामिल थे। टीम ने तकनीकी निगरानी, डिजिटल ट्रांजेक्शन की जांच और मोबाइल नंबरों की ट्रैकिंग के माध्यम से आरोपियों की पहचान की। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने दो आरोपियों–रिंकू (28 वर्ष), निवासी बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश और अभिषेक यादव (26 वर्ष), निवासी अलीगढ़, उत्तर प्रदेश–को गिरफ्तार कर लिया जांच में सामने आया कि आरोपी रिंकू उस मोबाइल नंबर का मुख्य उपयोगकर्ता था, जो सीधे उस बैंक खाते से जुड़ा हुआ था जिसमें ठगी की राशि प्राप्त हुई थी।

वहीं, अभिषेक यादव उस मोबाइल नंबर को संचालित करता था, जिस पर ओटीपी और लेनदेन से संबंधित अलर्ट प्राप्त होते थे। गिरफ्तारी के समय दोनों आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनका इस्तेमाल ठगी के लेनदेन और संचार के लिए किया जा रहा था शाहदरा पुलिस की इस त्वरित और तकनीकी रूप से सशक्त कार्रवाई ने साइबर अपराधियों के खिलाफ कड़ी सतर्कता का संदेश दिया है। मामले की आगे की जांच जारी है, जिसमें इस ठगी नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों की पहचान की जा रही है।

साइबर अपराध के बदलते स्वरूप के मुकाबले के लिए नवीनतम तकनीकी जरुरी: एडीजी आलोक सिंह

कानपुर। आलोक सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा जनपद औरैया में आयोजित साइबर जागरूकता कार्यशाला में प्रतिभाग करते हुए छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, पत्रकार बंधुओं एवं आमजन को संबोधित किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने साइबर अपराध के निरंतर बदलते स्वरूप, अपराधियों द्वारा अपनाई जा रही नवीन तकनीकों तथा उनसे बचाव हेतु जागरूकता, सतर्कता एवं त्वरित सूचना साझा करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया तथा युवाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म के सुरक्षित उपयोग, सोशल मीडिया के प्रति जिम्मेदार व्यवहार तथा साइबर ठगी से बचाव के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही रक्षित टण्डन, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ द्वारा ऑनलाइन फ्रॉड के सामान्य तरीकों, सुरक्षित पासवर्ड प्रबंधन, फिशिंग, व्च्् फ्रॉड, फेक लिंक एवं डिजिटल गोपनीयता से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए साइबर सुरक्षा को दैनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग को प्रोत्साहित करना तथा साइबर अपराध की रोकथाम में जनसहभागिता को सुदृढ़ करना रहा।

धेमाजी जिले की तीन चुनावी क्षेत्र के 16 उम्मीदवारो ने किया नामांकन पत्र दाखिल

● **उम्मीदवारों ने अपने समर्थकों को लेकर बड़ी आनंद उत्साह के साथ धेमाजी जिला चुनाव अधिकारी को सौंपा ज्ञापन।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धीमाजी असम। धेमाजी जिले की 78 नंबर धेमाजी सदर विधानसभा चुनावी क्षेत्र, 79 नंबर आरक्षणमुक्त सीसीबरगांव विधानसभा चुनावी क्षेत्र , ओर 80 नंबर जोनाई विधानसभा चुनावी क्षेत्र इन तीनों विधानसभा चुनावी क्षेत्र के विभिन्न राजनीतिक दलों के कुल 16 उम्मीदवारों ने आज अंतिम दिन जिला आयुक्त के कार्यालय में नामांकन दाखिल की। 78 नंबर धेमाजी सदर विधानसभा चुनावी क्षेत्र के भाजपा दल के उम्मीदवार पुर्व विधायक डॉ रणुज पेगू, इंडियन नेशनल कांग्रेस की उम्मीदवार शैलेन सोनोवाल, बाबुल सोनोवाल ने निर्दलीय, शामिल है।

वही 79 नंबर आरक्षणमुक्त सीसीबरगांव विधानसभा चुनावी क्षेत्र के भाजपा के उम्मीदवार पुर्व माछकुआ जिलापरिषद जीवन गोगोई, विपक्ष एक्य के तरफ़ से ताई आहूम छात्रा संघ असम का पूर्व मुख्य सलाहकार राइजर दल के उम्मीदवार दुलाल चंद्र बरुआ, समझकर्मी, युवा व्यवसाय निर्दलीय उम्मीदवार नंदीगिरी भुइयां, लंकेश्वर दास, रंजीत रय, प्रांजल बरा, हरेण चांगमई, केशव गोगोई, ने भी जिला चुनाव अधिकारी के समक्ष अपने अपने समर्थकों को लेकर नामांकन दाखिल किया। दूसरी ओर 80 नंबर जोनाई विधानसभा चुनावी क्षेत्र के भाजपा दल के उम्मीदवार पूर्व विधायक भुवन पेगू, इंडियन नेशनल कांग्रेस की तरफ़ से राजू मेदक ने नामांकन पत्र दाखिल किया।

सुब्रत भट्टाचार्य और विजय मालाकार ने आयुक्त कार्यालय में नामांकन पत्र जमा किए

● **जिले की तीन विधानसभा सीटों से भारतीय जनता पार्टी का झंडा हाथ में लेकर भारी रैली के साथ कृष्णेंदु पाल,**

उम्मीदवारों ने कहा कि बीजेपी की जीत निश्चित है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः असम में राजनीति की शंखध्वनि बजते ही श्रीभूमि जिला में उत्सव का माहौल दिखाई दिया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, बीजेपी और अन्य दलों के उम्मीदवार भी अपने-अपने नामांकन पत्र जमा करने में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में सोमवार, 23 मार्च को जिले की तीन विधानसभा सीटों से बीजेपी का झंडा हाथ में लेकर भारी रैली के साथ उम्मीदवार आयुक्त कार्यालय पहुँचे और नामांकन दाखिल किया। जिले के पाथारकांदी विधानसभा सीट के बीजेपी उम्मीदवार कृष्णेंदु पाल, रामकृष्णनगर सीट के उम्मीदवार विजय मालाकार और दक्षिण करीमगंज के उम्मीदवार सुब्रत भट्टाचार्य ने ढोल-ढमाके और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच अपने नामांकन पत्र जमा किए। उम्मीदवारों ने आत्मविश्वास के साथ कहा कि इस चुनाव में जीत निश्चित रूप से बीजेपी की ओर जाएगी। वहीं राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, इस बार का चुनाव काफी प्रतिस्पर्धी होने वाला है। भाजपा सहित ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट और ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस सहित निर्दलीय उम्मीदवारों के बीच इस बार कौन बाज़ी मारेगा, यह देखने के लिए पूरा जिला बेसब्री से इंतज़ार कर रहा है रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेगा।

एडीजी कानपुर ने किया मिशन शक्ति केंद्र का उद्घाटन

कानपुर। आलोक सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा जनपद औरैया के थाना कोतवाली औरैया में नवनिर्मित मिशन शक्ति केन्द्र, साइबर हेल्प डेस्क तथा पुलिस कैफे का उद्घाटन कर पुलिस व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। इसके उपरान्त थाना कार्यालय, हवालात, सीसीटीएनएस का निरीक्षण एवं अभिलेखों की अद्यतन स्थिति व थाना परिसर की साफ- सफाई का अवलोकन कर उपस्थित अधिकारी/ कर्मचारीगणों को व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ कर पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं त्वरित जनसेवा सुनिश्चित करनें के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक, कानपुर परिक्षेत्र व कानपुर, पुलिस अधीक्षक, जनपद कानपुर देहात उपस्थित रहे।

मढियो में लगी श्रद्धालुओं की कतार

● **कहीं धरती से निकली देवी कहीं की गई प्राण प्रतिष्ठा**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल बुढार नगर की सबसे सुप्रसिद्ध बुढ़ी मढिया पुरानी बस्ती वार्ड क्रमांक 7 के लोकप्रिय पार्षद मोहन बैगा में स्थित है यहां विराजमान प्रतिमऐ पांडव कालीन के समय की पांडव कालीन के समय की गढी हुई है जिनका उद्गम तालाब से हुआ जिनका उदगम तालाब से हुआ जिसकी यही पदस्थापना कराई गई । पांडवों ने बूढ़ी माता के अलावा शारदा मां दुर्गा मां और देवी देवता गढे हैं जबकि बाहर सुंदर मनभावन सूर्य भगवान की तरह एवं बहुत सी मूर्तियां हैं।जो बूढ़ी मढिया के नाम से सुप्रसिद्ध है। यहां के जीवित समय में यहां के पंडा दाऊ लाल केवट वर्तमान में उनकी पत्नी ने बताया कि छोटी माता जी व्यक्ति को निकलती है मां को जल ढारने से मिट जाती है अपने दुख तकलीफ को हारने हेतु नारियल लाल कपड़े में बांधकर रखने से मनोकामना।

पूरी होती है आज मढिया मंदिरों में चढ़ाया जाएगा पंचमी, पंचमी से सजने लगती है माता का श्रंगार, शक्ति के भक्ति में डूबा बुढार नगर चैत्र नवरात्रि पर्व पर नगर में जगह-जगह मढियो मंदिर में विराजमान सृजन शक्ति की देवी मां को सुबह ही भोर से जल ढारने श्रद्धालुओं की कतार लगी हुई है। जैसे-जैसे नवरात्रि गतिमान हो रहा है भक्तों का शनै शनै जनसमूह माता भवानी के दरबार में भीड़ करने लगी है। माता बहनें और बंधु स्नान कराकर और मां को जल अभिषेक करने चल देते हैं बच्चे भी माता के दर्शन करने आते हैं श्रद्धालु मां भवानी को सिंदूर बेलपत्र बंधन अक्षत अगरबत्ती श्रीफल से पूजा अर्चना कर अपने कासन को दूर सुख समृद्धि की प्रार्थना करते हैं।

जगत जननी की की उपासना में डूबा कोलांचल

जगत जननी की गौरवगान करते हैं समूचे नगर की मढियो में वीराजी माता के पूजा भक्ति में भक्ति तहलीन है। माता बहने 19 मार्च से शुरू हिंदू नव वर्ष की शुभ चैत्र नवरात्रि प्रारंभ हुई 9दिनो तक व्रत रखकर मां की स्तुति करने मढिया मैं रेरा लगी हुई है। नगर में स्थापित बूढ़ी मढिया पुरानी बस्ती

भुतही मोहल्ला मां विरासिन मंदिर मां ज्वालामुखी मंदिर नगर परिषद बुढार के पास है लखेरन टोला काली मंदिर बुढार नगर की सुप्रसिद्ध शारदा मंदिर बुढार रेलवे मार्केट में विराजमान विशाल काली मां शिव शंकर साथ विराजमान है वही हरे माधव कॉलोनी दुर्गा माता का स्थापना भी हुई है वहीं दुर्गा माता का भी मंदिर में देवी माता के अनुदधियो का मेला लगा हुआ है इन स्थानों में विभिन्न स्वरूपो में मा की प्रतिमा कही धरती से सूर्योदय हुआ तो कहीं धार्मिक अलोकी के प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा की

सेमल एवं बृहद पीपल का वट वृक्ष है जो श्रद्धालुओं को शीतल छाया दे रहा है यही शंकर भगवान बजरंगबली राधा कृष्ण की प्रतिमा स्थापित है संसार की पालनहार मां को जल अभिषेक चुनरी चढ़ाने भक्तों का सुबह शाम का तांता लगा रहता है विजय दशमी के दिन श्रीराम जानकी अपने जीवन काल में मां के दर्शन करने प्रति वर्ष आए थे। अष्टमी के दिन बृहद भंडारे का आयोजन के पूर्व पंचमी के दिन मां का श्रंगार के बाद मां मां स्वरूप और विकराल रूप धारण कर लेती पांडव कालीन द्वारा गठित देवी देवताओं पूजन करने भक्तों की अपार भेद लगी हुई है।

मां विरासिन मंदिर बुढार विश्रामगृह मस्जिद मार्ग में स्थापित मां बिरासनी का उदभव वसुंधरा में सूर्योदय डेढ़ वर्ष सौ पूर्व हुआ था जहां मां बिरासिनी की प्रतिमा विराजमान है वहां बरगद का वट वृक्ष था उसी जगह से उनका उदगम हुआ था मां की धार्मिक जलसा बढ़ाने के कलश जावरा बोऐ गए जहां माता के दरबार में आने वाले श्रद्धालुओं की मुराद पूरी होती है जल ढारने माता बहनें एवं बन्धुओ का जन समुदाय उमर रहा बड़े ही श्रद्धा भक्ति के साथ मां विरसिनी की आराधना कर शीतला माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई।

बुढार रेलवे मार्केट मार्ग पर

विराजमान है विशाल काली मां की प्रतिमा

बुढार नगर के कई पुराने बुजुर्गों ने बताया काली माता का मंदिर 50 वर्ष पूर्व भगवान दिन दफ्तरी ने कराया था और मंदिर मां काली मां की अदभूत प्राण प्रतिष्ठा कराई थी जहां अखंड ज्योति यहां विगत डेढ़ वर्षो से अखंड ज्योति जलती चली आ रही है जो प्राणियों के कल्याण करने की आशीष देती है समूचा रेलवे मार्केट के अलावा कोईलांचल क्षेत्र के के लोग काली मां के दरबार में शीश झुकाने आते हैं प्रतिदिन सैकड़ो श्री फालतू चढ़ाने नवरात्रि में बहनों की भीड़ लगी रहती है ज्वालामुखी मंदिर सिंधी बाजार के पास बुढ़ार में विराजमान है मा ज्वालामुखी की प्रतिमा 150 वर्ष पुरानी है जिसका सूर्योदय बगल के स्थित कुएं से उत्खनन करते समय मिली थी यहां पूजा अर्चना करने के लिए देवी भक्तों की कतार लगी रहती है 9 दिनों तक माता रानी की जयकारों से गुंजायमान रहता है पूरा नगर सुबह शाम माता की आरती से पूरे नगर की दुख संकट कष्टों का निवारण करती है सुख समृद्धि यश की कामना करती हैं।

इनका कहना है हिंदू धर्म की चैत्र नवरात्रि पर्व प्रारंभ होते ही पुजा अर्चना करने में माताएं बहनों और श्रद्धालुओं केलए और मंदिरोमें विशेष पजा कार्यक्रम के लिए मंदिर पर हमारे पुलिस कर्मियों की सुबह शाम पेट्रोलियम गस्त चालू रहेगी। बुढार थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार

सदर विधायक जै किशन शाहु के भतीजे ने सरेआम की गुंडागर्दी युवक को चप्पलों से पीटा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गाजीपुर। गाजीपुर जनपद के सदर विधायक जै किशन शाहु के भतीजे का गुंडागर्दी करते एक विडियो वायर बताया जा रहा है जिसमें विधायक के भतीजे एक युवक को सरेराह चप्पलों से पीटते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है की विडियो में जो शख्स चप्पलों से एक युवक को पीटते हुए नजर आ रहा है वो कोई और नहीं बल्कि गाजीपुर से समाजवादी पार्टी के विधायक जै किशन साहू के भतीजे मनीष साहू है। जो एक युवक को चप्पलों से पीट रहा है।

दुल्लहपुर की है घटना

सूचना के मुताबिक ये घटना गाजीपुर जनपद के दुल्लहपुर क्षेत्र अंतर्गत नीलकंठ गैस एजेंसी का है। जहां माननीय के भतीजे साहब गुंडागर्दी करते हुए एक युवक को सबके सामने ही बीच सड़क पर युवक को चप्पलों से पीटना शुरू कर दिया । बताया जा रहा है की एक युवक दुल्लहपुर स्थित नीलकंठ गैस एजेंसी पर अपने एक साथी के साथ गैस सिलेंडर लेने पहुंचा था। जहां उसका विवाद वहां मौजूद एजेंसी कर्मीयों से हो गई। इसी दौरान वहां मौजूद माननीय विधायक जी के माननीय भतीजे मनीष साहू अपने चाचा का रौब दिखाते हुए पीड़ित युवक पर बरस पड़े। विधायक चाचा के भतीजे मनीष साहू उस युवकों सरेराह चप्पलों से पीटना शुरू कर दिया। जिसका विडियो वहां मौजूद किसी ने बना लिया व सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। अब सवाल ये उठता है की विधायक चाचा के भतीजे गाजीपुर से दुल्लहपुर जाकर गैस एजेंसी पर क्या कर रहे थे। विवाद तो एजेंसी कर्मीयों व युवक के साथ हो रहा था। वहीं कुछ लोगों का कहना है की अभी तो समाजवादी पार्टी की सरकार भी नहीं तो ये हाल है की सपा के विधायक के भतीजे गुंडागर्दी कर रहे हैं। अगर सरकार में होते तो क्या करते। वहीं पुलिस ने बताया की इस घटना की शिकायत पीड़ित द्वारा की गई है। जिसके आधार पर मामले की जांच की जा रही है। अब यहां भी एक सवाल उठता

है की क्या विधायक चाचा के भतीजे पर पुलिस कार्रवाई होगी या विधायक चाचा भारी पड़ जायेंगे।

चाचा हमरे विधायक पुलिस का करी

गाजीपुर सदर से सपा विधायक जै किशन साहू के भतीजे पर एक कहावत सटीक बैठती है की चाचा हमरे विधायक पुलिस प्रशासन का करी अब यही देखना है की चाचा हमरे विधायक पुलिस प्रशासन का करी सही बैठता है की पुलिस प्रशासन ऐसे लोगों को सबक सिखाती है।

लोग मेरी बात सुनेंगे जरूर लेकिन मेरे मरने के बाद- डॉक्टर लोहिया

डॉक्टर लोहिया की नीतियां आज भी प्रासंगिक है

दाम बांधो नीति के अंतर्गत जब तक वस्तुओं के दाम निर्धारित नहीं होंगे तब तक महंगाई पर अंकुश नहीं लगेगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। समाजवादी आंदोलन के महानायक महान समाजवादी चिंतक समाजवादी पुरोधा महान स्वतंत्रता सेनानी डॉक्टर राम मनोहर लोहिया की 136वीं जयंती पर आज सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद की अध्यक्षता में सपा कार्यालय 7 नवीन मार्केट में दोपहर 2:00 बजे विचार गोष्ठी एवं श्रद्धांजलि सभा संपन्न हुई विचार गोष्ठी का संचालन महानगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू ने किया। विचार गोष्ठी एवं श्रद्धांजलि सभा में सर्वप्रथम सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने अपने संगठन के पदाधिकारियों के साथ मिलकर डॉक्टर राम मनोहर लोहिया के चित्र पर माल्यार्पण करके उन्हें अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि डॉक्टर राम मनोहर लोहिया कहते थे कि लोग मेरी बात सुनेंगे जरूर लेकिन मेरे मरने के बाद डॉक्टर लोहिया कहते थे कि जिंदा कौंमे 5 साल इंतजार नहीं करती हैं डॉक्टर लोहिया की दाम बांधो हिमालय बचाओ नर नारी समानता अंग्रेजी हटाओ भारत पाक महासंघ आदि नीतियां आज भी प्रासंगिक है जब तक सरकार दाम बांधो नीति के अंतर्गत हर वस्तुओं का दाम निर्धारित नहीं करेंगी तब तक देश में महंगाई पर काबू पाना असंभव है। महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने अपने संबोधन में आगे कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री अखिलेश यादव जी ने पीडीए का मुद्दा आगे बढ़ा कर डॉ राम मनोहर लोहिया के सपनों को साकार किया है दाम बाधों महंगाई हटाओ अंग्रेजी हटाओ अभियान चला कर देश में परिवर्तन का संदेश दिया था डॉ लोहिया की सप्त क्रांति भाषा नीति तथा संस्कारो से आगे बढ़ना है डॉक्टर लोहिया के सिद्धांतों का अनुकरण करते हुए दवा शिक्षा मुफ्त में लागू करने के महत्व के साथ परिवर्तन करना होगा श्रद्धांजलि सभा में प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद, प्रदेश सचिव के के शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू, महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर, नंदलाल जयसवाल, विनय गुप्ता, सत्यनारायण गहरवार, आनंद शुक्ला, महेन्द्र सिह, रजत मिश्रा, कीर्ती अग्निहोत्री, दीपक खोटे, शादाब आलम, अर्पित त्रिवेदी, अरमान खान, शिवकुमार बाल्मिक, अमित चौरसिया, प्रवीण मिश्रा, गुड्डू यादव, प्रीतम सिंह, पंकज निगम आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बलिया में पथरी ऑपरेशन बना मौत का कारण: अपूर्वा हॉस्पिटल में महिला की मौत पर बवाल, डॉक्टरों पर हत्या का केस दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया शहर के जगदीशपुर स्थित अपूर्वा हॉस्पिटल में रविवार को पथरी के ऑपरेशन के दौरान 24 वर्षीय अनीषा पांडेय की मौत हो गई, जिससे परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने अस्पताल पहुंचकर जमकर हंगामा किया और प्रशासन से अस्पताल को सील करने तथा दोषी डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। मृतका के परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन से पहले अस्पताल प्रशासन ने 50 हजार रुपये जमा कराए और फिर डॉक्टरों ने बिना स्पष्ट जानकारी दिए ऑपरेशन किया। कुछ देर बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर बताकर रेफर करने की बात कही, लेकिन तब तक अनीषा की मौत हो चुकी थी। परिजनों ने डॉक्टरों पर सच्चाई

छिपाने और गुमराह करने का आरोप लगाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान पुलिस और परिजनों के बीच धक्का-मुक्की और तीखी नोकझोंक भी हुई।

परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित डॉक्टरों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं,

प्रशासन ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर को सील कर दिया है। हालांकि अस्पताल में भर्ती अन्य मरीजों के कारण पूरे नर्सिंग होम को सील नहीं किया जा सका। फिलहाल, मामले की जांच जारी है और पुलिस का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।